बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

संस्कार उजाला
www.sanskarujala.com
सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 183 | गुरुवार 24 अक्टूबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

[सुविचार]

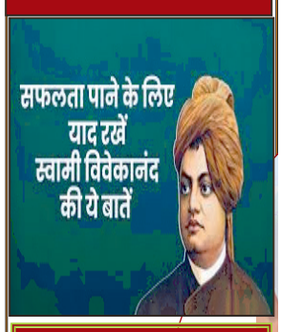

संक्षिप्त समाचार

750 कारतूस के साथ पैसेंजर ट्रेन में पकड़ी गई युवती

बलिया । राजकीय रेलवे पुलिस ने बुधवार को वाराणसी से बिहार के छपरा जा रही एक पैसेंजर ट्रेन से मिर्जापुर की एक महिला को साढ़े सात सौ कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के बलिया थाना के प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस ने बुधवार पूर्वाह्न वाराणसी से बिहार के छपरा जा रही पैसेंजर ट्रेन (नंबर 05446) से बलिया रेलवे स्टेशन से मनिता सिंह (20) को साढ़े सात सौ कारतूस (315 बोर) के साथ गिरफ्तार किया और कारतूस ट्रॉली बैग में रखा हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि मनिता सिंह ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह कारतूस बिहार के छपरा लेकर जा रही थी। पुलिस के अनुसार गाजीपुर जिले के करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के अंकित कुमार पाण्डेय एवं रोशन यादव ने उसे इसकी आपूर्ति करने को कहा था। यह महिला मिर्जापुर के राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदीहार गांव की है। यादव ने बताया कि पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है तथा दो अन्य वांछितों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। बलिया रेलवे स्टेशन से एक माह के अंदर कारतूस बरामदगी की यह दूसरी घटना है। राजकीय रेलवे पुलिस ने 28 सितंबर को बलिया रेलवे स्टेशन से 825 अवैध कारतूस एवं देशी तमंचे बरामद किए थे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में दो साल तक मनाएगा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के प्रथम गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक्स पोस्ट में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक भारत के लोकतंत्र की स्थापना के पीछे एक विज़नरी के रूप में सरदार पटेल की स्थायी विरासत और कश्मीर से लक्षद्वीप तक भारत के एकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका अमिट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सरदार पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। यह समारोह सरदार पटेल की उल्लेखनीय उपलब्धियों और एकता की भावना के प्रतीक का साक्षी होगा। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था। मोदी सरकार 2014 से 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाती आ रही है। पटेल को 550 से अधिक रियासतों को भारत संघ में विलय करने का श्रेय दिया जाता है।

चीन के साथ समझौते को लेकर देश को विश्वास में ले सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ एक समझौता होने की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर सरकार को देश को विश्वास में लेना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के दृष्टिकोण के कारण इस मामले के समाधान में अवरोध पैदा हुआ। भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि एलएसी पर गश्ती की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए गतिरोध का अंततः समाधान हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी।''

रमेश ने दावा किया, ''यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन का नतीजा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राएं कीं और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 18 बैठकें कीं। इसमें उनके 64वें जन्मदिन पर साबरमती के तट पर बेहद

दोस्ताने अंदाज में झूला झूलना भी शामिल है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत का पक्ष 19 जून, 2020 को तब सबसे अधिक कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को 'क्लीन चिट' देते हुए कहा था, ''ना कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है।''

रमेश ने दावा किया, ''यह बयान गलवान में हुई झड़प के चार दिन बाद ही दिया गया था, जिसमें हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका यह बयान न सिर्फ हमारे शहीद सैनिकों का घोर अपमान था बल्कि इसने चीन की आक्रामकता को भी वैध ठहरा दिया। इसके कारण ही एलएसी पर गतिरोध के समय समाधान में बाधा उत्पन्न हुई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे संकट पर मोदी सरकार के दृष्टिकोण को 'डीडीएलजे' यानी ' 'डिनाय' (इंकार करो), 'डिस्ट्रैक्ट' (ध्यान भटकाओ), 'लाय' (झूठ बोलो) और 'जस्टीफाई' (न्यायोचित ठहराओ) के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

रमेश ने यह भी कहा कि संसद को सीमा की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करने के लिए चर्चा करने का कोई अवसर नहीं दिया गया, जबकि पिछली सरकारों में इस तरह के गंभीर मुद्दों पर चर्चा और बहस की परंपरा रही है। उन्होंने कहा, ''अब जब चीन के साथ यह समझौता हुआ है तब सरकार को भारत के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने चाहिए।''

रमेश ने सवाल किया, ''क्या भारतीय सैनिक डेपसांग में हमारी दावे वाली लाइन से लेकर 'बॉटलनेक जंक्शन' से आगे के पांच गश्ती बिंदुओं तक गश्त करने में सक्षम होंगे जैसा कि वे पहले करने में सक्षम थे? क्या हमारे सैनिक डेमचोक में उन तीन गश्ती बिंदु तक जा पाएंगे जो चार साल से अधिक समय से हमारे दायरे से बाहर हैं?''उन्होंने यह भी पूछा, ''क्या हमारे सैनिक पैंगोंग त्सो में फिंगर तीन तक ही सीमित रहेंगे जबकि पहले वे फिंगर आठ तक जा सकते थे? क्या हमारे गश्ती दल को गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में उन तीन गश्ती बिंदु तक जाने की छूट है, जहां वे पहले जा सकते थे?''कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्या भारतीय चरवाहों को एक बार फिर चुशुल में हेलमेट टॉप, मुक्पा रे, रेजांग ला, रिनचेन ला, टेबल टॉप और गुरुंग हिल में पारंपरिक चरागाहों तक जाने का अधिकार दिया जाएगा? क्या वे 'बफर जोन' जिन्हें हमारी सरकार ने चीनियों को सौंप दिए थे, जिसमें रेजांग ला में युद्ध नायक और मरणोपरांत परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह का स्मारक स्थल भी शामिल था, अब अतीत की बात हो गए हैं?''

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरूरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

सुप्रीम कोर्ट आज तय करेगा- चुनाव में किसकी होगी घड़ी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी अब दो गुटों में बंटी है। एक का नेतृत्व शरद पवार कर रहे हैं और दूसरे का उनके भतीजे अजीत पवार। दोनों नेताओं के बीच विवाद के चलते चुनाव आयोग ने आयोग ने एनसीपी का 'घड़ी' चुनाव चिह्न भी अजित पवार नीत गुट को आवंटित कर दिया था। 19 मार्च को शीर्ष अदालत ने शरद पवार गुट को अपने नाम के रूप में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और उसे चुनाव चिह्न 'तुरहा बजाता व्यक्ति' आवंटित किया था। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने शरद पवार गुट की उस याचिका पर एक आदेश पारित किया था, जिसमें अजित पवार गुट को चुनाव में 'घड़ी' चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अजित पवार गुट राजनीतिक लाभ के लिए शरद पवार के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। अब एक बार फिर यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। याचिका में कहा गया है कि दोनों दलों को घड़ी चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं किया जाना

चाहिए। इस सुनवाई कर 24 अक्टूबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की उस याचिका पर 24 अक्टूबर को सुनवाई करेगी, जिसमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 'घड़ी' चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष इस मामले की तत्काल सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया। मंगलवार को शरद पवार गुट की ओर से पेश वकील ने पीठ को सूचित किया कि मामला 22 अक्तूबर को ही सूचीबद्ध किया जाना था, लेकिन वाद-सूची में इसका जिक्र नहीं है। इसके बाद पीठ ने इसे 24 अक्तूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

पर्चा दाखिल कर चुके

अजित पवार गुट की पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि पार्टी के कुछ उम्मीदवार विधानसभा चुनाव के लिए पर्चा दाखिल कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी गुट ने 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर कब्जा करने के लिए यह याचिका दायर की है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर 24 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। पीठ ने अजित गुट से तब तक जवाब देने को कहा है। दरअसल, शरद पवार ने निर्वाचन आयोग के 6 फरवरी के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसके तहत अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता दी गई थी।

सपा प्रमुख अखिलेश के जन्मदिन पर लगे पोस्ट से यूपी की राजनीति में हलचल

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव का 23 अक्टूबर को अपना जन्म दिन मना रहे हैं । इस अवसरस पर लगे लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर से राजनीति में हलचल मच गई है । यह पोस्टर संत कबीर नगर के सपा नेता जयराम पांडे द्वारा लगाया गया है, जिसमें अखिलेश यादव को 2027 में सत्ताईस का सत्ताधीश बताया गया है । पोस्टर में लिखा है– 2024 में बरसा जनता का आशीष, दीवारों पर लिखा है, कौन होगा सत्ताईस का सत्ताधीश । पोस्टर में अखिलेश यादव को संस्कृत में शुभकामनाएं दी गई है लिखा है–तुम 100 साल जियो, तुम्हारा जीवन उद्देश्यपूर्ण और खुशियों से भरा रहे । यह पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना गया है । यह पहली बार नहीं है जब सपा आफिस के बाहर लगे पोस्टर सुर्खियों में आए हैं । इससे पहले भी अखिलेश को देश का भावी पीएम और उनकी पत्नी डिंपल यादव को यूपी का मुख्यमंत्री बताने वाले पोस्टर लगाए जा चुके हैं । जयराम पांडे मेहंदावल विधानसभा सीट से सपा की टिकट के दावेदार हैं और उन्होंने यह पोस्टर अखिलेश यादव के समर्थन में लगवाया है, जो आगामी चुनावों में सपा की आकांक्षाओं को दर्शाता है ।

संसद में वायनाड का एक नहीं, दो सांसद होंगे: राहुल गांधी

वायनाड (केरल), (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वायनाड से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के निर्वाचन के बाद यह देश का इकलौता ऐसा निर्वाचन क्षेत्र होगा जिसके संसद में एक नहीं, बल्कि दो सांसद होंगे।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने कहा कि वह वायनाड के अनौपचारिक रूप से सांसद बने रहेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रियंका गांधी वायनाड से आधिकारिक सांसद होंगी, जबकि वह अनौपचारिक रूप से सांसद होंगे। प्रियंका गांधी के नामांकन के मद्देनजर निकाले गए रोड शो के बाद कलपेट्टा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''एक संसद का आधिकारिक सदस्य है और दूसरा संसद का अनौपचारिक सदस्य है। दोनों वायनाड के लोगों की रक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे।''

वर्ष 2019 से 2024 तक वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी का कहना था कि जैसे जिले के लोगों ने उनकी रक्षा की और उनका खयाल रखा, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, वैसे ही उन्हें उनकी बहन का भी खयाल रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरे हाथ में जो राखी है, वह मेरी बहन ने पहनाई है। जब तक वह टूट न जाए, मैं उसे नहीं उतारता। यह एक भाई द्वारा अपनी बहन की रक्षा करने का प्रतीक है। इसलिए मैं वायनाड के लोगों से मेरी बहन का खयाल रखने और रक्षा करने का अनुरोध करता हूं। वह अपनी पूरी ऊर्जा वायनाड की

समस्याओं में और आपकी रक्षा में लगा देंगी।''उन्होंने आगे कहा कि वायनाड से ''अनौपचारिक सांसद'' होने के नाते वह यहां आते रहेंगे और लोगों को हो रही समस्याओं के समाधान को लेकर हस्तक्षेप करेंगे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि वह अपनी बहन को एक या दो वाक्यों में परिभाषित कर सकते हैं।

काले हिरण को मारने के दोषी ठहराए गए सलमान बार बार कह रहे हैं मैंने नहीं मारा

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे बार बार कह रहे हैं कि मैंने हिरण को नहीं मारा। जबकि इस मामले में सलमान खान को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उन्हें जल्दी ही जमानत मिल गई। सुनवाई के दौरान सलमान को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्होंने फिर से जमानत हासिल की। इस मामले के बाद से लॉरेंस बिश्नोई गैंग सलमान खान के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। अभिनेता को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसके चलते उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। खासकर बाबा सिद्दिकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वायरल वीडियो के बाद, नेटिजन्स ने सलमान खान के काले हिरण मामले में शामिल होने की सच्चाई पर चर्चा शुरू कर दी है। कई फैंस अभिनेता का बचाव करते हुए उन्हें निर्दोष बताते हैं और इस मामले की पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। सलमान खान का यह मामला 26 सालों से चल रहा है, और अब तक इसे लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। इस लंबी कानूनी लड़ाई ने न केवल सलमान के जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि उनके करियर पर भी असर डाला है। हालांकि, सलमान खान का यह कहना कि उन्होंने काले हिरण को नहीं मारा, उनके फैंस के लिए उम्मीद की किरण बना हुआ है। उनके समर्थक मानते हैं कि सच्चाई अंततः सामने आएगी, और अभिनेता को न्याय मिलेगा। यह वीडियो साल 2008 का है और हाल ही में रेडिट पर साझा किया गया है। इस क्लिप में सलमान स्पष्ट रूप से कहते हैं, यह एक लंबी कहानी है और मैंने काले हिरण को नहीं मारा। सलमान खान के पिता, सलीम खान, ने भी हाल ही में इस मामले पर अपनी राय दी थी। उन्होंने कहा, वह एक कॉकरोच नहीं मार सकता, तो काला हिरण कैसे मार सकता है? उनका यह बयान इस बात पर जोर देता है कि अगर सलमान ने कुछ गलत नहीं किया है, तो माफी मांगने का कोई कारण नहीं है।

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अपना-अपना राग

–उत्तर भारतीय कर रहे कानून की मांग तो दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्री जनसंख्या बढ़ाने पर दे रहे जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। एक ओर जहां उत्तर भारतीय जनसंख्या नियंत्रण कानून लाये जाने की मांग कर रहे हैं तो दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी जनता को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की बुजुर्ग होती आबादी को देखते हुए पिछले हफ्ते कहा था कि लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून लाने की योजना भी बना रही है। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक पुराने आशीर्वाद का जिक्र करते हुए लोगों को 16 बच्चे पैदा करने की सलाह और शुभकामना दे डाली। दरअसल दोनों मुख्यमंत्री यह सलाह इसलिए दे रहे हैं क्योंकि जल्द ही देश में संसदीय सीटों का नये सिरे से परिसीमन होना है। इस परिसीमन के मुताबिक दस लाख लोगों की आबादी पर एक सांसद होगा।

राष्ट्रीय राजनीति उत्तर भारत पर केंद्रित होने का सता रहा डर

दक्षिणी राज्यों के नेताओं को परिसीमन के बाद राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह से उत्तर भारत पर केन्द्रित होने का डर सता रहा है। इसका कारण है कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के मामले में तो बेहतरीन प्रदर्शन कर दिया लेकिन अब इसकी वजह से वहां प्रजनन दर कम हो गयी है जिससे उन्हें डर है कि यदि आबादी के लिहाज से संसदीय सीटों का निर्धारण हुआ तो देश की राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह उत्तर भारत केंद्रित हो जायेगी। दक्षिणी राज्यों की चिंता का बड़ा कारण जल्द ही होने वाला लोकसभा सीटों का परिसीमन भी है। यह कार्य जनगणना के तुरंत बाद होगा। हम आपको बता दें कि देश में वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएँ जनसंख्या के अनुसार तय की जाती हैं। यदि जन्म दर स्थिर रहती है तो आंध्र प्रदेश में संसद सीटों की संख्या 25 से घटकर 20, कर्नाटक में 28 से 26, केरल में 20 से 14, तमिलनाडु में 39 से 30 और तेलंगाना में 17 से 15 तक हो जाने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर, उत्तर के राज्यों की जनसंख्या अधिक होने से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें संसद में बड़ी आवाज मिलेगी। इसके अलावा यदि संसद की सीटें बढ़ाने का फैसला होता है तो भी उत्तरी राज्यों को ही ज्यादा फायदा होगा क्योंकि दक्षिण में जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम सीटें आएंगी।

दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा

जहां तक मुख्यमंत्रियों के बयान की बात है तो आपको बता दें कि चंद्रबाबू नायडू ने तो यहां तक कह दिया है कि दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा। बताया जा रहा है कि पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी ऐसा कानून लाने की मांग हो रही है ताकि लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें।

दक्षिण भारत में बुजुर्ग आबादी बढ़ेगी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) द्वारा तैयार इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि 2021 और 2036 के बीच इन राज्यों में बुजुर्गों की दर में बहुत अधिक तेजी से वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि केरल की जनसंख्या में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2021 की 16.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 22.8 फीसदी हो जाएगी। तमिलनाडु में 13.7 फीसदी से बढ़कर 2036 में 20.8 फीसदी हो जाएगी, आंध्र प्रदेश में 2021 के 12.3 फीसदी से बढ़कर 2036 में 19 फीसदी हो जाएगी, कर्नाटक में बुजुर्गों की आबादी

11.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.2 फीसदी हो जाएगी और तेलंगाना में 2021 के 11 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.1 फीसदी हो जाएगी। 15 साल की इस अवधि में जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात दक्षिण में 6-7 फीसदी बढ़ जाएगा जबकि उत्तर में यह लगभग 3-4 फीसदी होगा।

झूठ की बुनियाद पर टिका भाजपा का सदस्यता अभियान

निर्मल रानी

भाजपा इस सदस्ता अभियान के माध्यम से यह साबित करना चाहती है कि भारतीय जनता पार्टी ही विश्व का सबसे बड़ा व सबसे अधिक सदस्यों वाला राजनैतिक दल है। और इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिये पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं द्वारा झूठ व अनैतिकता की सभी हदों को पार किया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आजकल राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ साहित भाजपा के अनेक बड़े नेता पार्टी के सदस्य अथवा सक्रिय सदस्य बन चुके हैं। परन्तु एक बार फिर भाजपा का यह सदस्ता अभियान विवादों में पड़ गया है। भाजपा इस सदस्ता अभियान के माध्यम से यह साबित करना चाहती है कि भारतीय जनता पार्टी ही विश्व का सबसे बड़ा व सबसे अधिक सदस्यों वाला राजनैतिक दल है। और इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिये पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं द्वारा झूठ व अनैतिकता की सभी हदों को पार किया जा रहा है। आश्चर्य है कि हाल में हुये लोकसभा चुनावों में 63 लोकसभा सीटें गंवाने के बावजूद अभी भी भाजपा न जाने किस आधार पर अपने सदस्यों की संख्या में इजाफा करना चाह रही है?

दरअसल कई राज्यों में भाजपा, सदस्यता अभियान में निर्धारित अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पा रही है। इसके लिये उसके नेता व कार्यकर्त्ता साम दाम दंड भेद सभी हथकंडे अपनाकर किसी भी तरह से सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी करना चाह रहे हैं। मिसाल के तौर पर गुजरात में 2 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य पार्टी द्वारा निर्धारित किया गया था। गुजरात भाजपा ने सदस्यता अभियान के तहत पिछली बार से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए खास योजना बनाई है। सरपंच से लेकर सांसद तक सभी 100-100 प्राथमिक सदस्य बनाएंगे। परन्तु इस लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार भावनगर में स्थानीय नेता 100 सदस्य जोड़ने के लिए 500 रुपये भी ऑफर कर रहे हैं क्योंकि निर्धारित तिथि 15 अक्टूबर तक 2 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने के लिये प्रतिदिन 8 लाख से अधिक सदस्य बनने जरूरी थे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपाई जिस स्तर तक गये हैं उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गुजरात में कई शहरों में स्कूली बच्चों तक को सदस्यता दिला दी गई। अनेक लोगों को तो उनका केवल फोन नंबर लेकर ही बिना बताए उन्हें भाजपा का सदस्य बना दिया गया। यह रहस्य तब उजागर हुये जब अपनी सदस्यता से अनजान कई छात्रों व आम लोगों के मोबाइल पर भाजपा का सदस्य बनने से सम्बंधित 'बधाई संदेश' आने लगे।

गुजरात में न केवल स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों तक को सदस्य बनाया गया बल्कि अस्पताल के मरीजों, नर्मदा में ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यकर्ता और भावनगर में 100 नए सदस्यों को नामांकित करने के लिए स्थानीय पार्टी नेताओं द्वारा 500 रुपये देने की योजना तक शामिल थी। खबरों के अनुसार जब एक महिला अपने पति के साथ रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए विसनगर के एक जन स्वास्थ्य केंद्र गयी तभी एक कर्मचारी ने उनका मोबाइल नंबर पूछा और फिर मोबाइल पर आया ओटीपी माँगा। और जैसे ही उन्होंने ओटीपी शेयर किया उसी समय मरीज को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनने के लिए बधाई संदेश मिला। हालांकि मरीज महिला के पति ने सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा उन्हें चुपके से भाजपा सदस्य बनाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों और रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) से बात करते हुए अपने फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया कि उन्हें बिना बताए या उनकी सहमति के बिना उन्हें भाजपा सदस्य के रूप में क्यों नामांकित किया गया। रोगी के पति विकुंभ दरबार ने घटना के बाद स्थानीय मीडिया को बताया कि 'आज सुबह, मैं और मेरी पत्नी एंटी रेबीज इंजेक्शन के लिए विसनगर सिविल अस्पताल गए क्योंकि उन्हें कुत्ते ने काट लिया था। पहली बार, हमें इंजेक्शन पाने के लिए एक ओटीपी साझा करने के लिए कहा गया था। शुरू में, हमें रजिस्टर में चेक इन करने के लिए कहा गया था, और जब हम इंजेक्शन के लिए आगे बढ़े, तो अस्पताल के कर्मचारी ने एक ओटीपी मांगा। मैंने पूछा कि इसकी आवश्यकता क्यों है, इसपर उस ने जवाब दिया कि - 'यदि आप इंजेक्शन चाहते हैं, तो आपको ओटीपी प्रदान करना होगा।' जब मैंने इस नियम पर सवाल उठाया, तो उन्होंने दावा किया कि यह एक नया सिविल अस्पताल विनियमन है।

इसी तरह गुजरात में ही राजकोट के जूनागढ़ के रणछोड़ दास ट्रस्ट अस्पताल का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजकोट के इस अस्पताल में आंख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने गए 250 मरीजों को रात में नींद से उठाकर बीजेपी का सदस्य बना दिया गया। इसका खुलासा उस समय हुआ जबकि एक मरीज ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। कमलेश भाई ठुम्मर अपनी आंखों का ऑपरेशन कराने इसी अस्पताल में गए थे। जहां उनके साथ 250 से ज्यादा और भी मरीज भर्ती थे। कमलेश के मुताबिक आधी रात को एक व्यक्ति आया और अचानक सभी मरीजों को नींद से उठाकर उनसे ओटीपी मांगने लगा। मुझसे (कमलेश भाई) भी ओटीपी पूछा। जब मैंने ओटीपी भेज दिया तो फोन में मैसेज आया कि 'बधाई हो, आप बीजेपी के सदस्य बन गए हैं'। जब कमलेश ठुम्मर ने मैसेज देखकर उस व्यक्ति से पूछा कि क्या आप बीजेपी का सदस्य बना रहे हो? तब उसने जवाब दिया कि -'इसके बिना उद्धार नहीं'। यदि किसी मरीज को ओटीपी नहीं पता चलता था, तो वह कर्मचारी स्वयं मरीज का फोन अपने हाथ में ले लेता और उसे भाजपा का सदस्य बना देता। इस कर्मचारी ने वार्ड के 200 से 250 मरीजों को बीजेपी का सदस्य बना दिया। कहना गलत नहीं होगा कि इस जबरन भाजपा सदस्य बनाने के इस अभियान में अस्पताल की भी मिली भगत जरूर रही होगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में भी जोर जबरदस्ती से सदस्यता अभियान चलाये जाने की खबर है। यहाँ भी युवाओं को सदस्यता अभियान से जुड़ने और नये सदस्य बनाने के लिये 3000 से लेकर 5000 रुपए तक के ऑफर दिये जाने की खबर है। भारतीय जनता पार्टी सरकरी कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, हितग्राही लाड़ली बहनें, मुफ़्त राशन प्राप्त करने वालों, सभी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों आदि सभी को जबरन या धोखे से पार्टी सदस्य बनाने पर तुली हुई है। हद तो यही है कि भाजपा अब आधी रात में सोते हुये मरीजों को भी चैन की नींद नहीं सोने दे रही है। यानी इलाज और ऑपरेशन बाद में भी होता रहेगा, आराम भी बाद में कर लेना, पहले अपने मोबाइल पर आया ओटीपी दे दीजिए। देश भर से मिलने वाली इस तरह की और भी खबरें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि भाजपा का सदस्यता अभियान दरअसल झूठ की बुनियाद पर टिका हुआ है।

संपादकीय

नई करवट

भारत और चीन ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में कुछ लचीला रु ख अपनाया है जिससे दोनों देशों के रिश्तों में पिछले चार साल से जमी बर्फ पिघलती दिखाई दे रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव शैथिल्य और सीमा पर गशत को लेकर एक महत्त्वपूर्ण समझौता हुआ है। यदि नई दिल्ली और बीजिंग इस समझौते की भावना के अनुकूल विवादित क्षेत्र से अपने-अपने सैनिकों की वापसी की दिशा में ठोस कदम उठाते हैं तो इस समझौते से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और द्विपक्षीय संबंध पुनर्जीवित हो सकते हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को ही समझौते की घोषणा की। इस समझौते से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत और चीन के सेना के बीच डेमचोक और देपसांग की स्थिति को लेकर जो विवाद था उसका समाधान हो गया। अब यहां से सैनिकों की वापसी होगी और गशत फिर से शुरू होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कार्यक्रम में बताया कि भारत और चीन की सेना पुरानी स्थिति यानी अप्रैल 2020 की स्थिति में लौट जाएंगी। वास्तव में जुलाई 2024 में भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में काफी चर्चा हुई थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार विमर्श किया था। यह संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। रूस के कजान में हो रही ब्रिक्स शिखर वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देशों ने सीमाओं से सैनिक हटाने का फैसला लिया हो। जाहिर है इससे शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा। यदि राष्ट्रपति जिनपिंग रणनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हैं तो द्विपक्षीय संबंध वुहान और महाबलीपुरम की भावना को फिर से जागने का मौका हो सकता है। रूस की ओर से भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रणनीतिक त्रिगुट रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे हैं। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई है। पुतिन यह चाहेंगे कि भारत, रूस और चीन के बीच रणनीतिक त्रिकोण की प्रक्रिया पुनर्जीवित हो। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव भी कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेंगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज्यादा चालाकी में जिए हैं हजारों वर्षों में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहां है। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं। मैं कहता हूं, मैं कभी चोरी नहीं करता।लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूं तो पता चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूं, भयभीत आदमी हूं।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।एक आदमी कहता है, मैं बिल्कुल ईमानदार आदमी हूं। उसे थोड़ी जांच-पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह बेईमान है और भयभीत है। यानी बेईमान भय, ईमानदार आदमी हो गया।लेकिन क्या यह ईमानदार की परिभाषा हुई? अगर कल उसे पता चल जाए कि एक दिन के लिए सब कानून उठा लिए गये और सब पुलिसवालों को छुट्टी दे दी गई और एक दिन के लिए कोई अदालत नहीं है, तब उसकी सारी ईमानदारी चली गई।यानी वह अब ईमानदार नहीं है। अच्छा आदमी इसीलिए कमजोर है।अक्सर ऐसा होता है कि अच्छा आदमी कमजोरी की वजह से अच्छा आदमी होता है। और इससे उल्टा भी होता है कि बुरा आदमी अक्सर ताकत की वजह से बुरा हो जाता है।घर में एक बच्चा बिल्कुल गोबर गणेश हो तो मां-बाप कहेंगे-बहुत आज्ञाकारी है और दूसरा थोड़ा शक्तिशाली हो, तो कहेंगे- आज्ञा का उल्लंघन करता है, कहना मानता ही नहीं।लेकिन समझना जरूरी है कि गोबर-गणेश होना अच्छा होना नहीं है।हमने लेबल बदल कर लगाए हुए हैं। इसलिए जहां भय हैं वहां भी हम पकड़ नहीं पाते कि यह भय है।जहां हिंसा है, हिंसा पकड़ में नहीं आती।जहां घृणा है, घृणा पकड़ में नहीं आती।जहां प्रेम नहीं है, वहां पकड़ में नहीं आता।सब तरफ धोखा हो गया है।

BRICS सम्मेलन से निकल रहे है चीन व भारत शांति के कई रास्ते , ह्यमोदी है तो मुमकिन है

अशोक भाटिया मुंबई

जैसे ही ये समाचार फैला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के BRICS सम्मेलन के दौरान अहम द्विपक्षीय वार्ता होने जा रही है वैसे ही महाराष्ट्र चुनाव में सोशल मीडिया पर यह नारा ट्रोल होने लगा कि ह्य मोदी है तो मुमकिन है ह्य । बताया जाता है कि यह वार्ता 2020 के गालवान संघर्ष के बाद दोनों नेताओं की पहली औपचारिक बैठक होगी। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद India-China Border Dispute के बाद यह बैठक विशेष महत्व रखती है। इस बैठक से उम्मीद की जा रही है कि भारत-चीन संबंधों में तनाव को कम करने और भविष्य में शांति बहाल करने के प्रयास होंगे। 2020 में गालवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद से भारत और चीन के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इस संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच कई बातचीत की कोशिशें हुईं, लेकिन पूर्ण रूप से स्थिति सामान्य नहीं हो पाई थी। अब BRICS सम्मेलन के दौरान हो रही इस वार्ता से उम्मीद है कि दोनों देश सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। समाचारों के अनुसार हाल ही में दोनों देशों के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर पेट्रोलिंग व्यवस्था पर सहमति बनी है। यह व्यवस्था 2020 से पहले की स्थिति पर लौटने की कोशिश है, जो कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करने और सीमा विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में मदद कर सकती है। महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बताया जाता है कि इस सम्मेलन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी मौजूद हैं। यह वार्ता BRICSदेशों के बीच वैश्विक मुद्दों पर सहमति बनाने का एक मंच भी है। ऐसे में भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का सीधा असर इस समूह के अन्य सदस्यों पर भी पड़ सकता है। गालवान संघर्ष के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच औपचारिक संवाद बहुत कम हुए हैं। 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए BRICS सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। इसके अलावा 2022 में इंडोनेशिया के बाली में हुए G20 सम्मेलन के दौरान भी एक अनौपचारिक बातचीत हुई थी। लेकिन, यह पहली बार है जब दोनों नेता विस्तृत वार्ता करेंगे। भारत और चीन के बीच संबंधों में आई कड़वाहट का असर अन्य क्षेत्रों में भी देखा गया था। पिछले चार सालों से दोनों देशों के बीच कोई सीधी फ्लाइट सेवा नहीं थी। साथ ही, चीनी टेक्नीशियनों को वीजा मिलने में भी सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा था। अब इस बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य क्षेत्रों में भी संबंध सुधरेंगे। गौर करने वाली बात यह है कि, पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर पेट्रोलिंग को लेकर भारत और चीन के बीच बनी सहमति के बाद दोनों देशों के बीच यह बैठक हो रही है। भारत और चीन के बीच बीते कई वर्षों से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध अब समाप्त होता हुआ नजर आ रहा है। चीन ने पुष्टि की है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए भारत के साथ समझौता हो गया है। 15-16 जून, 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प भी हुई थी, जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन के भी 40 से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई थी। हालांकि, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने आज तक अपने सैनिकों की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस घटना के चार साल बाद अब भारत और चीन ने गतिरोध खत्म करने को लेकर आगे कदम बढ़ाए हैं, जिसका नतीजा दोनों देशों के बीच हुआ समझौता है. गौर करने वाली बात यह भी है कि कनाडा पिछले कुछ दिनों से भारत पर लगातार बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। इसमें अमेरिका सहित कई फाइव आइज देश भी उसका पक्ष लेते नजर आ रहे हैं। जिनपिंग और पीएम मोदी की इस बैठक को फाइव आइज ग्रुप के खिलाफ कड़े जवाब के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइव आइज को ऐसे समझ सकते हैं कि यह दुनिया भर में जासूसी करने के लिए पांच देशों द्वारा मिलकर बनाया गया एक गुट है। जासूसी से मिले इनपुट को ये पांच देश आपस में साझा करते हैं। इस क्लब में अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन शामिल हैं। ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि जब 2019 में पहले जब पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई तब चीन ने धोखा दिया था. लेकिन अब उसे भारत की शर्तों पर झुकना पड़ा है. दरअसल, अक्टूबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत के दौरे पर आए थे. दोनों नेता महाबलीपुरम में एक अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए मिले थे. इस मुलाकात के कुछ महीने बाद ही चीन ने भारत को धोखा दिया था और LAC पर सैन्य गतिरोध पैदा हो गया था.दोनों देशों की सेना आमने-सामने आ गई थीं. 15 जून, 2020 को भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो गई थी. इस घटना के बाद सितंबर, 2020 में राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू हुई. कई दौर की बातचीत के बाद भारत और चीन छअउ पर समझौते को तैयार हुए. दोनों मुल्क पैट्रोलिंग पर 2020 से पहले वाली स्थिति पर सहमत हुए हैं. ये समझौता पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही हुआ.इस मुलाकात के पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा था कि समझौते से दोनों देश 2020 वाली स्थिति में लौट आए हैं और दोनों देशों के बीच सेनाओं को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है।

मिस्री ने कहा कि समझौते के तहत चर्चा के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में गश्त और चराई गतिविधियों के संबंध में 2020 की स्थिति बहाल होगी। उन्होंने कहा कि इसे जमीन पर लागू किया जाना है और भारत ऐसी व्यवस्था के लिए प्रयास करेगा जिससे किसी भी तरह की सीमा झड़प न हो। उन्होंने यह भी कहा कि नया समझौता उन बकाया मुद्दों पर केंद्रित था जो पिछले कुछ वर्षों में सामने आए थे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री के अनुसार हमें अब अलग होने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सेना की वापसी और उनके ठिकानों पर वापसी के बारे में हम सही समय पर बात करेंगे। भारत ने सोमवार को कहा था कि दोनों पक्ष एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिससे गतिरोध समाप्त हो गया है और 2020 में शुरू हुए गतिरोध के बाद उभरे मुद्दों का समाधान हो गया है। अपनी पहली प्रतिक्रिया में, बीजिंग ने कहा कि चीन और भारत ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा से संबंधित मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टिप्पणी के एक अंग्रेजी अनुवाद के अनुसार कहा कि वर्तमान में, दोनों पक्ष प्रासंगिक मुद्दों का समाधान निकाल चुके हैं, जिसका चीन ने सकारात्मक मूल्यांकन किया है। अगले चरण में, चीन उपरोक्त समाधान को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा। प्रगति के बावजूद, अभी भी कई अनसुलझे मुद्दे हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। इससे पहले कि स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो सके, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस महीने की शुरूआत में बताया था कि जहां 'आसान' मुद्दों का समाधान हो गया है, वहीं अधिक कठिन परिस्थितियां अभी भी बनी हुई हैं। विशेष रूप से देपसांग के मैदानों और पूर्वी लद्दाख के कुछ हिस्सों में ये अनसुलझे क्षेत्र पूर्ण वापसी के लिए एक चुनौती बने हुए हैं।विशेष रूप से देपसांग एक विवादास्पद क्षेत्र बना हुआ है जहां माना जाता है कि चीनी सेनाएं भारत के दावा वाले क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जमी हुई हैं। सितंबर 2022 में गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र से दोनों पक्षों के सैनिक पीछे हट गए थे, देपसांग में गतिरोध को हल करना इसके रणनीतिक महत्व के कारण अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं, पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित,वसई पूर्व - 401208 (मुंबई) ए vasairoad.yatrisangh@gmail.com केवल व्हाट्स एप्प 9221232130 BRICS सम्मेलन से निकल रहे है चीन व भारत शांति के कई रास्ते , ह्यमोदी है तो मुमकिन है ह्य ›अशोक भाटिया , मुंबई जैसे ही ये समाचार फैला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के BRICS सम्मेलन के दौरान अहम द्विपक्षीय वार्ता होने जा रही है वैसे ही महाराष्ट्र चुनाव में सोशल मीडिया पर यह नारा ट्रोल होने लगा कि ह्य मोदी है तो मुमकिन है ह्य । बताया जाता है कि यह वार्ता 2020 के गालवान संघर्ष के बाद दोनों नेताओं की पहली औपचारिक बैठक होगी। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद (India-China Border Dispute) के बाद यह बैठक विशेष महत्व रखती है। इस बैठक से उम्मीद की जा रही है कि भारत-चीन संबंधों में तनाव को कम करने और भविष्य में शांति बहाल करने के प्रयास होंगे। 2020 में गालवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद से भारत और चीन के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इस संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच कई बातचीत की कोशिशें हुईं, लेकिन पूर्ण रूप से स्थिति सामान्य नहीं हो पाई थी। अब BRICS सम्मेलन के दौरान हो रही इस वार्ता से उम्मीद है कि दोनों देश सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। समाचारों के अनुसार हाल ही में दोनों देशों के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर पेट्रोलिंग व्यवस्था पर सहमति बनी है। यह व्यवस्था 2020 से पहले की स्थिति पर लौटने की कोशिश है, जो कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करने और सीमा विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में मदद कर सकती है। महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बताया जाता है कि इस सम्मेलन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी मौजूद हैं। यह वार्ता इफ्र्र देशों के बीच वैश्विक मुद्दों पर सहमति बनाने का एक मंच भी है। ऐसे में भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का सीधा असर इस समूह के अन्य सदस्यों पर भी पड़ सकता है। गालवान संघर्ष के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच औपचारिक संवाद बहुत कम हुए हैं। 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए BRICS सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। इसके अलावा 2022 में इंडोनेशिया के बाली में हुए G20 सम्मेलन के दौरान भी एक अनौपचारिक बातचीत हुई थी। लेकिन, यह पहली बार है जब दोनों नेता विस्तृत वार्ता करेंगे। भारत और चीन के बीच संबंधों में आई कड़वाहट का असर अन्य क्षेत्रों में भी देखा गया था। पिछले चार सालों से दोनों देशों के बीच कोई सीधी फ्लाइट सेवा नहीं थी। साथ ही, चीनी टेक्नीशियनों को वीजा मिलने में भी सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा था। अब इस बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य क्षेत्रों में भी संबंध सुधरेंगे। गौर करने वाली बात यह है कि, पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर पेट्रोलिंग को लेकर भारत और चीन के बीच बनी सहमति के बाद दोनों देशों के बीच यह बैठक हो रही है। भारत और चीन के बीच बीते कई वर्षों से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध अब समाप्त होता हुआ नजर आ रहा है। चीन ने पुष्टि की है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए भारत के साथ समझौता हो गया है। 15-16 जून, 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प भी हुई थी, जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन के भी 40 से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई थी। हालांकि, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने आज तक अपने सैनिकों की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस घटना के चार साल बाद अब भारत और चीन ने गतिरोध खत्म करने को लेकर आगे कदम बढ़ाए हैं, जिसका नतीजा दोनों देशों के बीच हुआ समझौता है. गौर करने वाली बात यह भी है कि कनाडा पिछले कुछ दिनों से भारत पर लगातार बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। इसमें अमेरिका सहित कई फाइव आइज देश भी उसका पक्ष लेते नजर आ रहे हैं। जिनपिंग और पीएम मोदी की इस बैठक को फाइव आइज ग्रुप के खिलाफ कड़े जवाब के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइव आइज को ऐसे समझ सकते हैं कि यह दुनिया भर में जासूसी करने के लिए पांच देशों द्वारा मिलकर बनाया गया एक गुट है। जासूसी से मिले इनपुट को ये पांच देश आपस में साझा करते हैं। इस क्लब में अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन शामिल हैं। ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि जब 2019 में पहले जब पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई तब चीन ने धोखा दिया था. लेकिन अब उसे भारत की शर्तों पर झुकना पड़ा है. दरअसल, अक्टूबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत के दौरे पर आए थे. दोनों नेता महाबलीपुरम में एक अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए मिले थे. इस मुलाकात के कुछ महीने बाद ही चीन ने भारत को धोखा दिया था और छअउ पर सैन्य गतिरोध पैदा हो गया था.दोनों देशों की सेना आमने-सामने आ गई थीं. 15 जून, 2020 को भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो गई थी. इस घटना के बाद सितंबर, 2020 में राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू हुई. कई दौर की बातचीत के बाद भारत और चीन छअउ पर समझौते को तैयार हुए. दोनों मुल्क पैट्रोलिंग पर 2020 से पहले वाली स्थिति पर सहमत हुए हैं. ये समझौता पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही हुआ.

इस मुलाकात के पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा था कि समझौते से दोनों देश 2020 वाली स्थिति में लौट आए हैं और दोनों देशों के बीच सेनाओं को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है।

मिस्री ने कहा कि समझौते के तहत चर्चा के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में गश्त और चराई गतिविधियों के संबंध में 2020 की स्थिति बहाल होगी। उन्होंने कहा कि इसे जमीन पर लागू किया जाना है और भारत ऐसी व्यवस्था के लिए प्रयास करेगा जिससे किसी भी तरह की सीमा झड़प न हो। उन्होंने यह भी कहा कि नया समझौता उन बकाया मुद्दों पर केंद्रित था जो पिछले कुछ वर्षों में सामने आए थे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री के अनुसार हमें अब अलग होने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सेना की वापसी और उनके ठिकानों पर वापसी के बारे में हम सही समय पर बात करेंगे। भारत ने सोमवार को कहा था कि दोनों पक्ष एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिससे गतिरोध समाप्त हो गया है और 2020 में शुरू हुए गतिरोध के बाद उभरे मुद्दों का समाधान हो गया है।

अपनी पहली प्रतिक्रिया में, बीजिंग ने कहा कि चीन और भारत ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा से संबंधित मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टिप्पणी के एक अंग्रेजी अनुवाद के अनुसार कहा कि वर्तमान में, दोनों पक्ष प्रासंगिक मुद्दों का समाधान निकाल चुके हैं, जिसका चीन ने सकारात्मक मूल्यांकन किया है। अगले चरण में, चीन उपरोक्त समाधान को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा। प्रगति के बावजूद, अभी भी कई अनसुलझे मुद्दे हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। इससे पहले कि स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो सके, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस महीने की शुरुआत में बताया था कि जहां 'आसान' मुद्दों का समाधान हो गया है, वहीं अधिक कठिन परिस्थितियां अभी भी बनी हुई हैं। विशेष रूप से देपसांग के मैदानों और पूर्वी लद्दाख के कुछ हिस्सों में ये अनसुलझे क्षेत्र पूर्ण वापसी के लिए एक चुनौती बने हुए हैं।विशेष रूप से देपसांग एक विवादास्पद क्षेत्र बना हुआ है जहां माना जाता है कि चीनी सेनाएं भारत के दावा वाले क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जमी हुई हैं। सितंबर 2022 में गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र से दोनों पक्षों के सैनिक पीछे हट गए थे, देपसांग में गतिरोध को हल करना इसके रणनीतिक महत्व के कारण अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है। अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित, वसई पूर्व - 401208 (मुंबई)E MAIL – vasairoad.yatrisangh@gmail.com केवल व्हाट्स एप्प 9221232130

विद्यालय में पुलिस प्रशासन की पाठशाला का आयोजन,।

ओबरा क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडेय ने छात्र छात्राएं को कानून के कार्यप्रणाली के बारे में दी जानकारी।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल। सोनभद्र ओबरा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमे क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडेय ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कानून के दायरे में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने की जरूरत पर जोर दिया। इसी के साथ पुलिस की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी तथा कहा कि छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें। यदि उनके

रास्तें में कोई शरारती तत्व गतिरोध करने का प्रयास करता है, तो उसका डटकर मुकाबला करें। छात्राएं देश में ही नहीं बल्कि विश्व में अपने दम पर परचम लहरा रही हैं, वह किसी से डरे नहीं। साथ ही किसी भी आपात स्थित में छात्र/छात्राओं को संचालित विभिन्न हेल्पलाईन नंबरों-112, 1090, 108, 181, 1076, 1098, 102 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस दौरान बताया गया कि अपने आस पास के लोगों को साइबर अपराध के बारे में जागरूक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें। जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके। कोई भी छात्र-छात्रा ऐसी पोस्ट का सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय विशेष सतर्कता बरते तथा ऐसी कुछ भी पोस्ट वायरल न करें जिससे उन्हें और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी हो। पुलिस की पाठशाला के आजोयन से छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ा तथा पुलिस के प्रति दृष्टिकोण भी बदला। ऐसी पाठशालाओं के आयोजन से कानून का ज्ञान होता है। मनुष्य अपराध करने से बचता है। इससे पुलिस और जनता के बीच का डर भी दूर होगा। लोग कानून को भली भांति समझ सम्मान करते हुए दायित्व निभाएंगे। जिससे हम और हमारा समाज अपराधमुक्त होगा। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ओबरा, प्रधानाचार्य व टीचर्स मौजूद रहे।

चोपन पुलिस ने मु0अ0सं0 139/2024 धारा 493 भादवि में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल। **सोनभद्र ।** अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र व क्षेत्राधिकारी नगर के आदेश के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 139/2024 धारा 493 भादवि में वांछित अभियुक्त विकाश केशरी पुत्र श्यामनरायण केशरी निवासी ग्राम व पोस्ट अम्बा खोरिया वार्ड नं0 4 थाना धुरकी, जिला गढ़वा, झारखण्ड उम्र करीब 25 वर्ष को माँ बैष्णों मंदिर डाला से समय 08.10 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी।

संक्षिप्त डायरी

सिंभावली शुगर मिल मजदूर यूनियन ने बढ़ा पैसा नहीं देने को लेकर की हड़ताल से मैनेजमेंट में मचा हड़कंप

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली शुगर मिल मैनेजमेंट के द्वारा मजदूर एंप्लोई का बढ़ा हुआ पैसा देने से इनकार करने पर फैक्ट्री के हाथ पैर कहे जाने वाली सिंभावली शुगर मिल मजदूर यूनियन के द्वारा हड़ताल करने से मैनेजमेंट में हड़कंप मचा हुआ है। आपको बता दें कि सिंभावली शुगर मिल के द्वारा जहां क्षेत्रीय किसानों को गन्ने का बकाया भुगतान करने को लेकर खून के आंसू रूलाए जा रहे हैं। वही फैक्ट्री के हाथ पैर कहे जाने वाले मजदूर एम्पलाई को भी सिंभावली शुगर मैनेजमेंट के द्वारा रुलाना शुरू कर दिया गया है। मजदूरों का कहना है कि उनका जो बढ़ा हुआ पैसा है। मिल मैनेजमेंट के द्वारा उसको देने से इनकार कर दिया गया है। जिसको लेकर मजदूरों के सबर का बांध टूट गया। जिसके चलते मजदूर एम्पलाइयों के द्वारा हड़ताल शुरू कर दी गई है। जब तक उनका बढा हुआ। पैसा नहीं दिया जाएगा तब तक वह काम पर नहीं लौटेंगे। देखने वाली बात यह है कि जब फैक्ट्री मैनेजमेंट के द्वारा मजदूरों को ही परेशान किया जाएगा। तो ऐसी स्थिति में फैक्ट्री की नैय्या कैसे पार लग पायेगी।

पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर के महंत ने राजस्व विभाग के अधिकारियों पर मंदिर की जमीन का गंगा एक्सप्रेसवे के हक में बैनामा करने का लगाया आरोप

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत परगना पूठ पुष्पावती धाम क्षेत्र के शंकराटीला प्लॉट नंबर 293 काठ पूर्व शंकरा टीला पर स्थित सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर के महन्त नंदकिशोर त्रिपाठी ने सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर की जमीन को राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा बंजर दर्शाकर गंगा एक्सप्रेसवे के हक में बैनामा कर मंदिर की जमीन में स्थित कुएं को तोड़ने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए। प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय आदित्यनाथ योगी को अपना शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच कराने की मांग की है। गौरतलब रहे कि सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर के पीठाधीश्वर महंत अश्वस्थामा नंदकिशोर त्रिपाठी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को अपना शिकायती पत्र भेजते हुए अपने पत्र में उल्लेख किया है कि बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर शंकराटीला प्लॉट नंबर 293 पर उक्त मंदिर स्थित है। जिससे दक्षिण दिशा में कुछ दूरी पर गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य चल रहा है जिसका मंदिर से कोई संबंध वास्ता नहीं है। प्राचीन शिव मंदिर का रकबा 0.3400 हेक्टर है। जिसका प्राचीन काल से ही मंदिर के प्रयोग में चला आ रहा है। जिसमें गंगा एक्सप्रेसवे के कर्मचारियों ने राजस्व विभाग के अधिकारियों से साठ गांठ कर मंदिर के रकबे को बंजर दर्शाकर उक्त भूमि में से 0.0982 हेक्टेयर भूमि का बैनामा गंगा एक्सप्रेसवे के हक में कर लिया है और उसी की आड़ में पुरातत्व की स्मृति प्राचीन शिव मंदिर के कुएं को तोड़ना चाहते हैं। जो कानून एवं सनातन धर्म के अनुसार अत्यंत घिनौना कृतज्ञ है। जिसको लेकर पीठाधीश्वर महंत सिद्ध पीठ प्राचीन शिव मंदिर की देखरेख करने वाले नंदकिशोर त्रिपाठी ने अपनी जान को भी खतरा बताते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

पीड़ित प्रधान ने मारपीट करने वाले ठेकेदार सहित चार लोगों के विरुद्ध कराया मुकदमा दर्ज

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव मुरादपुर निवासी पीड़ित प्रधान फराहीम ने मारपीट करने वाले ठेकेदार एवं उसके तीन सहयोगियों सहित चार लोगों पर मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाने के साथ कराया मुकदमा दर्ज। आपको बता दें कि सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मुरादपुर के वर्तमान प्रधान फराहीम पुत्र उस्मान ने थाने में तहरीर देकर उल्लेख किया है कि 16 अक्टूबर को वह सिंभावली ब्लॉक में अपने सचिव के पास किसी जरूरी कार्य से गया हुआ था। इसी बीच वहां पर ठेकेदार एतदाद, अपने भाई दिलशाद पुत्र शमशाद निवासी नेकनामपुर फूलडी, सुफियान पुत्र रईस, रईस पुत्र जुम्मा निवासी वैट के साथ ब्लॉक में पहुंचा। तो पीड़ित प्रधान ने ठेकेदार एतदाद के द्वारा उधार लिए गए ₹40000 का तकादा किया तो चारों लोग आग बबूला हो गए। और उन्होंने उसके गाली गलौज करते हुए लात घुसो से मारपीट शुरू कर दी। और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। जिसमें उसके एक हाथ की उंगली में भी फैक्चर हो गया। जिसको लेकर पीड़ित प्रधान ने थाने में तहरीर देकर ठेकेदार और उसके सहयोगी ग्राम प्रधान वैट रईस और उसके बेटे सहित चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित प्रधान की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सिंभावली शुगर मिल आईआरपी (कंट्रोलर)अनुराग गोयल की देखरेख में मिल अधिकारियों ने फैक्ट्री संचालन के लिए बॉयलर की पूजा कर अग्नि की प्रवाहित

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली शुगर मिल मैनेजमेंट अधिकारियों के द्वारा आगामी 23 नवंबर को फैक्ट्री संचालन करने को लेकर सिंभावली शुगर मिल ग्रुप पर नियुक्त आईआरपी(कंट्रोलर) अनुराग गोयल की उपस्थिति में बॉयलर की विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजा कर अग्नि प्रवाहित की गई। और श्री ग्रंथि द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। उसके उपरांत अनुराग गोयल द्वारा फैक्ट्री का भ्रमण कर मशीनरी मरम्मत कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया गया। जिसको लेकर मुख्य प्रबंधक ने बताया कि 6 नवंबर बुधवार को मंत्र उच्चारण के साथ माल में गन्ना डालकर शुभारंभ किया जाएगा। जिसको लेकर 4 नवंबर से गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ने की खरीदारी करने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। वहीं अग्नि प्रवाहित कार्यक्रम के दौरान सिंभावली पावर के संजय त्रिपाठी (एमडी) करन सिंह (मुख्य महा प्रबंधक) मुख्यालय से आए अतुल शर्मा राजीव भटनागर,मनोज गोयल(मुख्य महाप्रबंधक तकनीकी) विश्वास राज सिंह महाप्रबंधक गन्ना, केपी राणा महाप्रबंधक ईजी, जे एन पी यादव, रामवीर सिंह,वीरेंद्र सिंह,दिनेश शर्मा,प्रदीप श्रीवास्तव, कर्नल अमिताभ बैनर्जी, सहित अन्य मिल मैनेजमेंट कर्मचारी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन किसान राज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे डहरा कुटी पर

संस्कार उजाला

जनपद हापुड़-: हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर तहसील के थाना बहादुरगढ़ के क्षेत्र डहरा कुटी आज भारतीय किसान यूनियन किसान राज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित यतेन्द्र शर्मा अपनी टीम के साथ में पहुंचे, जहाँ पर टीम ने फूल माला ओर नोटो का हार पहनाकर जोरदार स्वागत किया, एक बैठक हुई जिसमें कभी मुद्दों पर बात चर्चा हुई और फिर थाना बहादुरगढ़ पहुँच कर थाना प्रभारी के ना होने पर एस एस आई बनी सिंह से छेत्र की समस्याओं के विसय में चर्चा की ,यतेन्द्र शर्मा जी ने कहा कि छेत्र का कोई भी किसान,मजदूर अगर समस्या को लेकर थाने आता है तो उसका सम्मान करते हुए तुरंत समाधान करना थाना अध्यक्ष सुनिश्चित करे इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ राष्टीय अध्यक्ष कविता शर्मा, प्रदेश युवा उपाध्यक्ष पंडित अंकुर शर्मा,राष्टीय उपाध्यक्ष अजय चौधरी, आदि के नेतृत्व संगठन से दर्जनों लोगों को जोड़ा गया, इस अवसर पर के अशोक चौधरी, मयंक राजपूत, अरुण कुमार, दीपक लोधी, अनुज चौधरी,टिंकल चौधरी, युवा मंडल अध्यक्ष नन्हे राजपूत ,बिल्लू,सोनू त्यागी, सचिन त्यागी, जिसमें चौधरी अशोक सिंह को मेरठ समंडल उपाध्यक्ष,टिंकल चौधरी युवा जिला सचिव को नियुक्त किये गया जिसमें सोनू त्यागी, सचिन त्यागी,नबी, शेरू, आदित्य शौनक, अमित चौधरी, मोहसीन, सुनील सैनी, विशाल, राहुल शर्मा, अनुज कुमार, विकास त्यागी आदि सैकडों कार्यकर्ता मौजूद रहे, सभी पदाधिकारी ने अपनी अपनी समस्या रखी तो राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित यतेन्द्र शर्मा कहा कि सब की समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाए। संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बैठक समाप्त करके फिर सभी थाने पहुंचे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित यतेंद्र शर्मा थाना प्रभारी की अनुउपस्थित में एएसआई बनी सिंह से मुलाकात करें और सभी पदाधिकारी का परिचय कराया और कहा कि संगठन का जो भी पदाधिकारी थाने में आए उसका काम जरूर होना चाहिए उसे किसी भी परेशानी नहीं होनी चाहिए

महत्वपूर्ण सूचना

दैनिक संस्कार उजाला से तेजवीर सिंह / दयानंद कुमार अगर कोई विज्ञापन या खबर छपवाता है उसके वह स्वयं जिम्मेदार होंगे दैनिक संस्कार उजाला से इनका कोई संबंध नहीं है धन्यवाद ...

संस्कार उजाला
सच की हुंकार

संस्कार उजाला समाचार एवं विज्ञापन संपर्क करें जिला प्रभारी अमित शर्मा 8445987618 ,भूपेंद्र वर्मा संवाददाता 9756144404

ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन करने वाले वाहनों की, की जाये जॉच-जिलाधिकारी।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने इंको प्वाइंट के पास ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने के दृष्टिगत वाहनों की जॉच ज्येष्ठ खान अधिकारी के माध्यम कराया गया, इस दौरान उन्होंने ओवरलोडिंग वाले वाहनों के प्रपत्रों का स्वयं भी देखे, उन्होंने कहा कि ओवर लोडिंग व अवैध वाहनों का परिचालन पर कार्यवाही की जाये और मानक के अनुरूप नम्बर प्लेट भी लगायी जाये, किसी तरह की लापरवाही न बरती जाये, ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस मौके पर 31 वाहनों को ओवरलोडिंग करते हुए पकड़ा गया, जिसके चालान की कार्यवाही ज्येष्ठ खान अधिकारी शैलेन्द्र सिंह के माध्यम से की गयी, जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि टैम्पर्ट नम्बर बिना लगे प्लेटों का प्रयोग न किये जाये और नम्बर प्लेट फिक्स अवस्था में रहें, इसकी विशेष जॉच की जाये, अगर इस तरह की कोई वाहन पाये जाते हैं तो उनके विरूद्ध नियमानुसार चालान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकताओं की सुनी समस्याएं।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें, इसका विशेष ध्यान दें।

तेंदुए के खौफ के साथ खूंखार कोबरे के द्वारा डसने का सिलसिला जारी। खूंखार कोबरे ने 3 दिन में डसकर मां, बेटी ,बेटे ,तीन लोगों को सुलाया मौत की नींद पति पत्नी झूल रहे हैं जिंदगी और मौत के बीम वन विभाग लगा लीपा पोती में

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/ जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र में जहां ग्रामीण तेंदूए के द्वारा कुत्ते बकरी जानवरों को अपना शिकार बनाने को लेकर दहशत के साए में सांस ले रहे थे। वही तीन दिन से क्षेत्र के गांव सदरपुर में एक खूंखार कोबरे ने आतंक मचाने के साथ मजदूर रिंकू जाटव की पत्नी पूनम 30 वर्ष, बेटी साक्षी 10 वर्ष, बेटा कनिष्क 9 वर्ष को घर में फर्श पर सोते समय डसकर मौत की नींद सुला दिया है। वही दो दिन के अंतराल में पति प्रवेश 32 वर्ष, पत्नी ममता 30 वर्ष को घर में सोते समय डस लिया। जिसके चलते पीड़ित परिजनों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां पति-पत्नी दोनों ही

जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे। इतना सब कुछ होने के बावजूद भी वन विभाग ने लीपा पोती करते हुए सांप पकड़ने के नाम पर एक दमान को पकड़ कर अपनी इतिश्री कर दी है। जिसको लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति खासा रोष व्याप्त है। आपको बता दें कि बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सदरपुर के जंगल तेंदुए के दिखाई देने के चलते मे तेंदुए के द्वारा हमला करने का डर सता रहा था। वही इस गांव में कोबरे ने अपना उग्र रूप धारण करते हुए। तीन दिन में पांच लोगों को अपने कोप भाजन का शिकार बनाते हुए। फर्श पर सो रही महिला सहित उसकी बेटी और बेटे को मौत की नींद सुला दिया है। तो वही घर में चारपाई पर सोते हुए। प्रवेश 32 वर्ष और उसकी पत्नी ममता 30 वर्ष को डसने के साथ जिंदगी और मौत के बीच पहुंचा दिया है। जहां दोनों पति-पत्नी उपचार के चलते मौत से लगातार लड़ रहे हैं। वही वन विभाग मैं इस मामले में लीपा पोती करते हुए एक छोटे से सांप को पड़कर अपनी इतिश्री कर दी है। लेकिन ग्रामीणों में कोबरे के द्वारा लगातार डसने को लेकर दहशत का माहौल है। वही वन क्षेत्राधिकारी का कहना है कि उनकी टीम के द्वारा कल एक सांप को पकड़ लिया गया था। लेकिन फिर से सांप के द्वारा महिला को डसने ने को लेकर वन विभाग के द्वारा सपेरो को बुलाकर कोबरे को पकड़ ने की कोशिश लगातार जारी है।

योगी सरकार की घोषणा के उपरांत भी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला मानचित्र पर

संस्कार उजाला

योगी सरकार की घोषणा के उपरांत भी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला मानचित्र पर आने के लिए अपनी बदहाली पर बहा रहा आंसू/पंडित गोपाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी*हापुड़/जनपद की तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र के रेतीले मैदान में लगने वाले तंबू नगरी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को सूबे के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के द्वारा मानचित्र पर लाने की घोषणा करने के बावजूद भी मानचित्र पर आने के लिए अपनी बदहाली पर बहा रहा है आंसू। आपको बता दें कि क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के द्वारा पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुचेसर रोड चौपला पर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंडित अजय शर्मा ने की। वही आयोजित कार्यक्रम प्रेस वार्ता में पहुंचे पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हापुड़ ,मेरठ, रामपुर, बरेली ,और बदायूं सहित अन्य शुगर मिलों पर किसानों का करोड़ों रुपया बकाया है। जिसका शुगर मिल मालिक भुगतान नहीं कर रहे हैं। किसान मजदूर वर्ग आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। भुगतान नहीं होने के कारण

किसान मजदूर वर्ग आत्महत्या कर रहा है। जिसको लेकर सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए लेकिन योगी सरकार कुंभकर्ण की नींद में सोई हुई है। साथ ही उन्होंने हापुड़ के नारायणगंज निवासी मोहित द्वारा नगर पालिका हापुर को सरकारी सड़क पर अतिक्रमण कर की गई। दीवार को हटाने के लिए शिकायती पत्र देने के बावजूद नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा सड़क से दीवार को कब्जा मुक्त नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी हापुड़ नगर पालिका के द्वारा किए गए। इस कृतज्ञ की कड़ी निंदा करती है। उत्तर प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था के चलते प्रदेश में हत्या लूट बलात्कार की घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ा है जो कि एक चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी के चलते नौजवान पलायन करने को मजबूर हो रहा है। वही जनपद की तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर में प्राचीन काल से संचालित होते आ रहे इस कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले में दूर-दराज के प्रान्तो से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आकर पिंडदान करते हैं। जिसका आयोजन करोड़ों रुपए खर्च कर जिला पंचायत की देखरेख में कराया जाता है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के द्वारा गत वर्षो इस मेले को मानचित्र पर लाने की घोषणा की गई थी। लेकिन फिर भी यह कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला मानचित्र पर आने के लिए अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पंडित अजय शर्मा जिला अध्यक्ष हापुड़, पंडित आशीष शर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष ,पंडित लोकेश शर्मा प्रदेश मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश,एडवोकेट नरेश चंद्र शर्मा प्रदेश सलाहकार ,नरेंद्र कुमार शर्मा जिला अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, पंडित सुनील शर्मा जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ हापुड़, अब्दुल्ला सैफी महासचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश, आबिद सैफी अध्यक्ष मेरठ मंडल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, महताब आलम जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, डॉक्टर अब्दुल सलाम नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, हापुड़ उपस्थित रहे।

मत जाओ श्री राम अयोध्या छोड़कर तुम मत जाओ पुकारते रहे नगर वासी

प्रभु श्री राम गए वन देख छलक गए नयन

संस्कार उजाला

विंध्याचल । रामलीला के भव्य मंच पर राम वनगमन के दृश्य का भावपूर्ण मंचन किया गया तब उपस्थित दर्शकों के नयन छलक उठे मंगलवार की रात को मंच पर राम वन गमन के साथ ही लक्ष्मण व परशुराम संवाद कैकेई मंथरा संवाद का भावपूर्ण मंचन किया गया जिसे देख दर्शक भाव विभोर हो गए रामलीला का मंचन देखने आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में नर नारी और बच्चे पंडाल में पहुंचे हुए थे विंध्याचल में चल रहे दस दिवसीय रामलीला के चौथे दिन का मंचन देखने को दर्शकों का रेला उमड़ पड़ा मोतीझील मार्ग स्थित भंडारा स्थल परिसर में आयोजित रामलीला देखने पूरा पंडाल दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था रामलीला मंचन के पूर्व मंच पर प्रभु श्री राम और लक्ष्मण की भव्य आरती मुख्य अतिथि समाजसेवी दामोदर द्विवेदी द्वारा की गई श्री राम और सीता के विवाह के बाद अयोध्या पहुंचते ही जहां एक तरफ राम के राज्याभिषेक की तैयारियां चल रही थी तभी कैकेई की दासी मंथरा ने उन्हें राम वन गमन का वरदान मांगने के लिए प्रेरित किया उधर राजा दशरथ गुरु वशिष्ठ के परामर्श पर राम को राजा बनाने की घोषणा करते हैं इससे करके एक दासी मंथरा कुपित होकर रानी के कानो को भर्ती है कई के उसकी बातों में आकर कोप भवन में चली जाती है जहां राजा

दशरथ पुरानी अपने दो वचन याद दिलाती है और उसे मांगते हुए कहती है कि उनके पुत्र भरत को राजगद्दी और राम को चौदह वर्ष का वनवास भेजा जाए कैकेई द्वारा वरदान में राम को वन और भरत को राजगद्दी की जानकारी माता कौशल्या को हुई तो वह बेचैन हो उठी उधर महल और अयोध्या में राम वन गमन की खबर फैलते ही खुशी का माहौल शोक में बदल गया रानी की बात सुनकर राजा दशरथ अचेत हो उठे होश आने पर राम को संदेशा भिजवाते हैं आने पर राम को बनवास की बात पता चलती है पिता की आज्ञा पाकर राम सीता लक्ष्मण वनपथ पर प्रस्थान कर जाते हैं रामलीला मंचन के दौरान वन गमन की भावपूर्ण दृश्य देख दर्शकों की आंखें छलक उठी और पंडाल में श्री राम के जयकारे गूंजने लगे इसके पूर्व प्रभु श्री राम की भव्य बारात संपूर्ण विंध्याचल क्षेत्र में भ्रमण किया बारात में प्रभु श्री राम का दर्शन पाकर लोग विभोर हो उठे। श्री राम की भूमिका में कमल मिश्रा ,लक्ष्मण का किरदार देवी दीक्षित ,राजा दशरथ की भूमिका में प्रशान्त द्विवेदी गुरु वशिष्ठ की भूमिका मुन्ना बाबू मिश्रा,सीता की भूमिका अंजु प्रभा, मंथरा की भूमिका में सीमा यादव कैकेई की भूमिका में सरिता ,तथा व्यास की भूमिका में गोपी मिश्रा ने निभाई ,लीला मंचन के साथ ढोलक पर रंग नाथ,आगर्न पर राम प्रसाद ,शहनाई पर तौलन प्रसाद ने रामलीला मंचन के दौरान कुशल संगत किया। मंच का संचालन कार्यक्रम संयोजक आदर्श उपाध्याय व अमन गोस्वामी ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के संरक्षक प्रकाश चन्द्र, अध्यक्ष संगम लाल त्रिपाठी, मंत्री कमल मिश्र, उपाध्यक्ष रामेश्वर त्रिपाठी,निर्देशक राज गिरी, उपाध्यक्ष पशुपतिनाथ भंडारी ,उपाध्यक्ष लव दूबे, कोषाध्यक्ष विक्रम मिश्रा निशु मीडिया प्रभारी संतोष कुमार तथा समिति के प्रमुख रूप से शिखर गिरी,गिरजेश द्विवेदी, त्रिलोकी उपाध्याय ,दिनेश सोनी,आयुष गोस्वामी,सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में जवान तैनात रहे ,एवं सदस्यगण ने अपनी अपनी अहम भूमिका निभाई।

अहोई अष्टमी का व्रत माताएं अपने बच्चो की लम्बी आयु और उनका जीवन सुखमय हो के लिए रखती हैं निर्जला उपवास ।

संस्कार उजाला

रामपुर मनिहारान तहसील प्रभारी

सुरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा करवा चौथ के बाद भारत में हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को अहोई अष्टमी का त्यौहार मनाया जाता है माता अपने पुत्रों की लंबी आयु और उनके खुशहाल जीवन के लिए यह व्रत रखती है इस दिन मौत आए अपने पुत्रों की लंबी उम्र और उनके अच्छे जीवन की कामना लिए पूरे दिन का निर्जला उपवास रखती है शाम को आकाश के तारों को देखने के बाद यह व्रत खोला जाता है चलिए जानते हैं इस व्रत के बारे में कुछ तथ्य। अष्टमी माता द्वारा संतान की लंबी आयु की कामना व सुरक्षा उनके सुखी जीवन के लिए किया जाता है होई अष्टमी का व्रत निर्जला होता है और इस दिन माताएं स्याहु माता और अहोई माता की पूजा करती है * इस वर्ष होई अष्टमी का व्रत 24 अक्टूबर 2024 दिन बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा होई अष्टमी के दिन महिलाओं को मिट्टी

से जुड़े कार्य नहीं करने होते और प्याज लहसुन का सेवन भी नहीं करना चाहिए पूजा विधि में अहोई माता का चित्र बनाना और गणेश जी की पूजा करना शामिल है अहोई अष्टमी पर तारों को देखकर क्यों खोला जाता है व्रत*जिस तरह पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा जाता है हिंदू धर्म में वैसे ही संतान की दीर्घायु और कुशल जीवन के लिए अहोई अष्टमी का यह निर्जला व्रत किया जाता है करवा चौथ पर चांद को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोला जाता है वहीं अहोई अष्टमी व्रत में शाम को तारों के दर्शन और अर्घ्य देने के बाद व्रत खोला जाता है धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अहोई अष्टमी के दिन अनगिनत तारों के दर्शन और पूजन से कुल में अनगिनत संतान पैदा होती है इस व्रत में माताएं पूजा अर्चना के दौरान आकाश में जैसे तारे चमकते हैं वैसे ही घर में जन्म लेने वाले बच्चों के लिए उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं अगर कोई महिला निसंतान है तो वह संतान प्राप्ति के लिए अहोई अष्टमी का व्रत रखती है अहोई अष्टमी व्रत में तारों को अर्घ्य देना बेहद जरूरी होता है कहा जाता है कि इसके बिना व्रत का संपूर्ण फल नहीं मिलता है। अहोई अष्टमी व्रत की कथा अहोई अष्टमी की व्रत कथा पौराणिक ग के अनुसार एक समय की बात है एक नगर में एक स्वीकार रहता था जिसके साथ बेटे और साथ बहुएं थी उसकी एक बेटी भी थी जिसका विवाह हो चुका था दीपावली से पहले वह अपने घर आई हुई थी दीपावली के शुभ अवसर पर घर और आंगन को साफ सुथरा करने के लिए वह जंगल से मिट्टी लाने चली गई उसके साथ उसकी एक नंद भी थी जंगल में साहूकार की बेटी जिस जगह पर मिट्टी खोद रही थी वहां पर एक स्याहू यानी साही बिल बनाकर अपने बच्चों के साथ रहती थी मिट्टी खोदते समय साहूकार की बेटी की खुरपी से साहू के एक बच्चे की कट कर मौत हो गई इससे शाहू बहुत दुखी हो गई उसने गुस्से में आकर साहूकार की बेटी को कहा कि मैं तुम्हारी कोक बांध दूंगी उसकी यह बात सुनकर साहूकार की बेटी डर जाती है और वह अपनी सभी भाभियों से एक-एक करके कहती है कि मैं उसके बदले अपनी कोख बनवा ले सबसे छोटी भाभी उसके बदले अपनी कोक बंधवाने के लिए तैयार हो जाती है इस घटना के कुछ समय बाद उसकी छोटी भाभी के बच्चे होते हैं और 7 दिन के बाद ही मर जाते हैं ऐसे करके उसकी 7 संतानों की मृत्यु हो जाती है तभी उसने एक विद्वान पंडित जी से यह घटना बताकर उपाय पूछा पंडित जी ने कहा कि वह एक सुनहरी गाय की सेवा करें सेवा से खुश होकर सुनहरी गाय उस साहूकार की बेटी को अपने साथ जंगल में स्याहु के पास लेकर चलती है रास्ते में चलते-चलते वे थक जाते हैं और एक पेड़ के नीचे आराम करने लगते हैं साहूकार की छोटी बहू को नींद आ जाती है और जब उसकी आंख खुलती है तो उसे पेड़ पर गरुड़ पक्षी के घोसले में उसके बच्चों को सांप खाने के लिए पेड़ पर चढ़ जाता है साहूकार की छोटी बहू यह दृश्य देखकर दंग रह जाती है और साप को डंडे से मार कर गरुड़ पक्षी के बच्चों की जान बचाती है तभी वहां गरुड़ पक्षी का जोड़ा आता हैवह पेड़ के पास पड़ा खून को देखकर क्रोधित होकर साहूकार की छोटी बहू पर अपनी चोच से हमला कर देते हैं और फिर साहूकार की छोटी बहू बताती है कि मैंने तो बच्चों की सांप से जान बचाई है तुमने जो खून देखा है यह इसी मारे हुए सांप का है और वह खुश होकर सुनहरी गाय को साथ लेकर तीनों स्याहु के पास जाते हैं साहूकार की छोटी बहू के इस काम से स्याहु बहुत प्रसन्न होती है और साहूकार की छोटी बहु को है 7 बेटे और 7 बहू होने का आशीर्वाद देती है स्याहु के आशीर्वाद से साहूकार की छोटी बहू को 7 बेटे होते हैं और समय पर उनकी शादी होती है इस प्रकार से साहूकार की छोटी बहू 7 बेटों और 7 बहुओ को पाकर बहुत खुश होती है।

संक्षिप्त डायरी

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर घेर का निर्माण

संस्कार उजाला

सहारनपुर। गंगोह पिछले काफी दिनों से ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा कर घेर का निर्माण कर रहे ग्राम प्रधान के निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाने के कमिश्नर ने दिए आदेश। तीन दिन पूर्व एस डी एम ने भी सम्पूर्ण समाधान दिवस में कार्य रुकवाने और एफ आई आर के दिए थे। निर्देश मगर उसके बाद भी कार्यवाही ना होने पर शिकायत कर्ता पहुचे। कमिश्नर कार्यालय जी हा आपको बता दे कि शिकायत कर्ताओ ने बताया कि ग्राम बांसदेई में खसरा नंबर 166म ग्रामीणों के नाम पट्टे पर थी जिसके कूच समय पूर्व पट्टे निरस्त कर दिए गए थे। ग्राम वासी ऋषिपाल महिपाल अंकित रविस प्रदीप आदि का कहना है कि बांसदेई से सरकड को जाने वाले रास्ते को भी अवैध निर्माण कर अवरुद्ध कर दिया है। जिसकी शिकायत कई बार अधिकारियो को की गई परन्तु प्रधान मानने को तैयार नहीं है। शिकायतकर्ताओ का आरोप है कि तीन दिन पूर्व भी सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत पर लेखपाल से रिपोर्ट लेकर एस डी एम ने प्रधान आशीष त्यागी उर्फ प्रिंस के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए थे। लेकिन थाना गंगोह द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इसलिए उन्हें खुद कमिश्नर से मिलना पड़ा जिस पर उन्होने अवैध निर्माण को तत्काल रुकवाने के साथ ही दोषी प्रधान के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। वही प्रधान पक्ष ने आरोपों को निराधार बताया है। वही इस सबंध में एस डी एम संगीता राघव का कहना है कि आदेशों के तहत निर्माण रुकवाया जायेगा और कार्यवाही भी की जायेगी

गंगोह क्षेत्र में रेत के अवैध खनन,पुलिस, खनिज विभाग की पकड़ से दूर रेत माफिया

संस्कार उजाला

सहारनपुर। गंगोह क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन का कारोबार बेखौफ होकर रेत माफिया कर रहे हैं। पुलिस, खनिज विभाग की पकड़ से दूर रेत माफिया गंगोह खादर क्षेत्र से यमुना से रात के अंधेरे में रेत निकालकर कमाई करने में जुटे हुए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि स्थानीय अखबारो मे कई बार खबर छापने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई में पुलिस प्रशासन रेत माफिया के गुर्गों को पकड़ नही सकी। गंगोह देहात क्षेत्र मे रेत के अवैध उत्खनन का कारोबार बेखौफ होकर रेत माफिया कर रहे हैं। पुलिस, खनिज विभाग की पकड़ से दूर रेत खनन माफिया यमुना का सीना छलनी कर रहे है। गंगोह क्षेत्र मे रेत खनन रात के अंधेरे में निकालकर कमाई करने में जुटे हुए हैं। इस अवैध कारोबार के सरगना तक पुलिस प्रशासन नहीं पहुंच पाया है। वहीं खनिज विभाग भी यमुना खादर क्षेत्र से निकल रहे अवैध रेत को रोकने मे असफल दिखाई दे रहा है। गंगोह थाना क्षेत्र के नाईमजरा घाट पर रात के अंधेरे मे बेखौफ खनन किया जा रहा है। सूत्र जानकार बताते हैं कि चंद पुलिस कर्मी एवं राजनीतिक गठजोड़ के चलते खनन को अंजाम दिया जा रहा है। गंगोह क्षेत्र के लोगों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भैंसा बुग्गी द्वारा पहले रेत को यमुना नदी से निकाल कर अपने घरों अथवा सड़क के किनारे लगा लिया जाता है। फिर सूरज डूबते ही मजदूरों द्वारा पिकअप वाहनों में भरकर नानोता, गंगोह, रामपुर, मनिहारान, तीतरों सहित अन्य जगहों पर रात्रि में बड़ी आसानी से भेज दिया जाता है। नाईमजरा घाट पर बेखौफ होकर दिन रात रेत निकाली जा रही है। रेत के अवैध खनन को थाना पुलिस रोकने में असफल दिखाई दे रही है। जिसके चलते अवैध रेत के कारोबार में शामिल लोगों के हौसले बुलंद हैं। अब देखना है कि प्रशासन इन पर क्या कार्यवाही करता है।

वीर हनुमान हिन्दू सुरक्षा यात्रा का गांव शेरपुर में किया गया भव्य स्वागत।

श्री हनुमान चालीसा केंद्र नियमित रूप से चलेगा।

संस्कार उजाला

सहारनपुर/ रामपुर मनिहारान। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल,व वीर हनुमान हिन्दू सुरक्षा यात्रा मंगलवार देर शाम को रामपुर मनिहारान के एक गांव शेरपुर में पहुंची। यात्रा के गांव में प्रवेश करने पर ग्राम वासियों ने धार्मिक यात्रा का पुरजोर तरीके से भव्य स्वागत किया। और यात्रा में आए मुख्य अतिथियों ने ग्राम वासियों व यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं और कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों

को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। जिनकी विचार धाराओं को स्वीकार करते हुए सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने नियमित रूप से श्री हनुमान चालीसा केंद्र चलाने का संकल्प लिया। यात्रा में राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष विकास जी, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता जी, जिला उपाध्यक्ष पंकज जी,मौहर सिंह जी, सतवीर सिंह जी, रोहित जी, जोनी जी व राष्ट्रीय बजरंग दल के देवतुल्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसबीडी जिला चिकित्सालय को प्रदेश में कायाकल्प पुरस्कार के तहत मिला प्रथम स्थान

प्रथम स्थान आने पर दिए जाएंगे 60 लाख रुपए

☛इन्टर्नल, पियर एवं एक्सटर्नल असेसमेंट के आधार पर किया गया चयन

☛मरीजों की संतुष्टि को भी दिया गया वेटेज

☛प्राविधानित धनराशि के बेहतर प्रयोग एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों के उत्साहवर्धन को भी किया गया शामिल

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि वितीय वर्ष 2023-24 में कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत एसबीडी जिला चिकित्सालय को प्रदेश में प्रथम स्थान एवं 60 लाख रुपए का अवार्ड मिला है। 50 लाख रुपए कायाकल्प अवार्ड में प्रथम स्थान के लिए एवं 10 लाख रुपए ईको फ्रैण्डली हॉस्पिटल अवार्ड में मिले है। मनीष बंसल ने बताया कि जनपद स्तरीय चिकित्सालयों का तीन चरणों में (इन्टर्नल, पियर एवं एक्सटर्नल असेसमेंट) किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश के कुल 121 जनपद स्तरीय चिकित्सालयों का इन्टर्नल असेसमेंट किया गया। तत्पश्चात राज्य स्तर से असेसर्स टीम द्वारा चरणबद्ध रूप में 121 चिकित्सालयों का भौतिक पियर असेसमेंट कराया गया। पियर असेसमेंट में 70 प्रतिशत या उससे अधिक स्कोर प्राप्त 117 चिकित्सालयों का एक्सटर्नल असेसमेंट कराया गया। अन्तिम चरण (एक्सटर्नल असेसमेंट) के आधार पर वर्ष 2023-24 में कुल 108 चिकित्सा इकाईयों 70 प्रतिशत से अधिक स्कोर प्राप्त कर अवार्ड हेतु अर्ह है। भारत सरकार द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देश के क्रम में चिकित्सा इकाई के स्कोर की गणना में प्रक्रिया पालन के अनुसार मेरा अस्पताल स्कीम के अन्तर्गत अन्तिम स्कोर के गणना में मरीजों की संतुष्टि के प्रतिशत के आधार पर 15 प्रतिशत वेटेज प्रदान किया गया है। एक्सटर्नल असेसर्स के स्कोर की गणना करते हुये एक्सटर्नल असेसमेंट स्कोर को 85 प्रतिशत वेटेज प्रदान किया गया है। भारत सरकार के निदेर्शानुसार अवार्ड हेतु प्राविधानित धनराशि का 75 प्रतिशत चिकित्सालय के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैण्डर्ड एवं कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत चिन्हित गैप क्लोजर, सुदृढीकरण, रख-रखाव, स्वच्छताव यवस्था इत्यादि सुनिश्चित किये जाने हेतु उपयोगित की जाये, जिससे चिकित्सालय के स्कोर में वृद्धि हो सके। कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत अवार्ड धनराशि के 25 प्रतिशत धनराशि जो अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंसेन्टिव धनराशि उत्साह वर्धन हेतु दिये जाने का प्रावधान हैं इंसेन्टिव धनराशि मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा कायाकल्प अवार्ड स्कीम के क्रियान्वयन में भूमिका एवं सहयोग के आधार पर निर्धारित किये जाने हेतु अधिकृत किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

वक्फ की भूमि पर बैनामा कराए जाने संबंधी शिकायत पर जिला मजिस्ट्रेट ने लिया तत्काल संज्ञान

☛तहसील देवबन्द में वक्फ की भूमि संबंधी प्राप्त हुई थी शिकायत

☛एडीएमई को एंटी भू माफिया के तहत कार्यवाही के दिये निर्देश

☛जिला मजिस्ट्रेट ने अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी को दिये एफआईआर पंजीकृत कराने के निर्देश

संस्कार उजाला

संवाददाता नेहा शर्मा

सहारनपुर । जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने देवबन्द स्थित वक्फ की भूमि का रजिस्ट्रड बैनामा कर उस पर अवैध मदरसा निर्माण करने की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी देवबन्द से जांच आख्या मांगी गयी। जांच आख्या में अवगत कराया गया कि खसरा संख्या 381 रकबा 1.537 हेक्टेयर खेवट संख्या 1184 कब्रिस्तान के रूप में अंकित है। संख्या संख्या 3891 में राजस्व अभिलेखों के अनुसार रईस अहमद पुत्र शरीफ अहमद मुतवल्ली के रूप में अंकित है। वक्फ सम्पत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति अथवा मुतवल्ली को क्रय-विक्रय का अधिकार प्राप्त नहीं है। ऐसी स्थिति में रईस अहमद पुत्र शरीफ अहमद द्वारा खसरा संख्या 3891 में रकबा 0.0683 हेक्टेयर का विक्रय विधिक नहीं है। संबंधित के विरूद्ध विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु आख्या प्रस्तुत की गयी है। मनीष बंसल ने प्राप्त जांच आख्या के आधार पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को नियमानुसार एफआईआर पंजीकृत कराने के निर्देश दिए। उन्होने अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी को निर्देश दिए कि एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स में इस प्रकरण के संबंध में अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी भूमि पर अवैध कब्जा और अवैध बैनामा संबंधी शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उचित कार्यवाही करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए।

शहीद उधम सिंह इंटर कॉलेज का मार्ग खराब होने के कारण हो सकता है बड़ा हादसा

जल निगम के ठेकेदार की बड़ी लापरवाही बच्चों को पड़ सकती है भारी

संस्कार उजाला

खुटार शाहजहांपुर ।

खुटार क्षेत्र के गांव रामपुर कला में स्थित शहीद उधम सिंह इंटर कॉलेज को जाने वाले मार्ग खराब और टूट गया है नौनिहाल बच्चे आए दिन फिसल कर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं सरकार के द्वारा चलाई गई योजना के अंतर्गत हर घर जल जल योजना जल निगम के ठेकेदार के द्वारा सड़क को खोदकर डाल दिया गया उसको सही नहीं करवाया गया सड़क के किनारे गहरा गड्ढा खोदकर जल निगम के ठेकेदार चले गए सड़क से निकलने वाले छोटे-छोटे बच्चे गहरी गड्ढे में गिर सकते हैं हो सकता है इनके साथ बड़ी अनहोनी जल निगम का ठेकेदार इसकी तरफ ध्यान देने की जरूरत नहीं समझता है स्कूल प्रशासन कई बार ठेकेदार से इसके बारे में अवगत करा चुका है लेकिन ठेकेदार उनकी एक बात मानने को तैयार नहीं है हमें इसकी जानकारी अभी तक नहीं थी अब जानकारी मिली है रुके हुए कार्य को सही करवाया जाएगा ताकि बच्चों को स्कूल जाने में समस्या किसी प्रकार की ना हो सके। जल निगम अपर अभियंता गौरव कुमार शाहजहांपुर

बरगदा में पंचवीर बाबा के स्थान पर होगा प्रथम विशाल दुर्गा जागरण

संस्कार उजाला

बंडा /शाहजहांपुर

बंडा क्षेत्र के ग्राम बरगदा में 24 अक्टूबर दिन गुरुवार को प्रथम विशाल दुर्गा जागरण संपन्न होगा पंचवीर बाबा के पुजारी श्री दंगल गिरी ने बताया की समस्त ग्राम वासी एवं क्षेत्र वासियों के सहयोग से बरगदा में पहली बार विशाल दुर्गा जागरण होने जा रहा है शास्त्रानुसार माता रानी के

जागरण से जीवन में निरोग्यता धन-धान्य सफलता और आध्यात्मिक भौतिक समृद्धि सुख प्राप्त होता है एवं शक्ति मंत्रों के जाप से ऊर्जा का संचार होता है जो मनुष्य शक्ति पूर्वक पड़ता या सुनता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती प्रथम विशाल दुर्गा जागरण में मुख्य रूप से अनूप मिश्रा बरेली एवं पारुल मिश्रा शाहजहांपुर के हैं इस शुभ अवसर पर समस्त ग्रामवासीय एवं क्षेत्रवासी समय से पहुंचकर प्रथम विशाल दुर्गा जागरण सुनकर फल प्राप्त करें

जनता के साथ बेहतर समन्वय कर सुदृढ कानून व्यवस्था होगा पहला लक्ष्य- पीपीएस उपासना पाण्डेय

थाना परिसर में आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक, त्यौहारों पर सौहार्द की अपील

संस्कार उजाला

पूरनपुर,पीलीभीत। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए मंगलवार को थाना सेहरामऊ उत्तरी परिसर में थाना प्रभारी पीपीएस अधिकारी उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में थाना क्षेत्र के वर्तमान ग्राम प्रधान व पूर्व प्रधान, कोटेदारों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ एक मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में सबसे पहले उन्होंने बैठक में आए हुए लोगों को अपना एवं थाना स्टाफ का परिचय दिया।पीस कमेटी मीटिंग में पपीएस अधिकारी उपासना पांडे ने कहा की क्षेत्र में शांति एवं शौहार्द बनाये रखना उनकी पहली प्राथमिकता में है।आगामी त्यौहारों को शांति पूर्वक व मिलजुल कर भाई चारे के साथ मनाने सम्बन्धी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।थाना प्रभारी ने बताया कि धनतेरस व दीपावली त्यौहार नजदीक है,उन्हें सौहार्द पूर्ण तरीके से मनायें।यदि कोई व्यक्ति

त्यौहार पर हुड़दंग कर शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करता है तो आप लोग तत्काल थाना पुलिस को सूचित करें जिससे खुराफातियों के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जा सके। त्यौहारों पर शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही करवाई जायेगी।पुलिस द्वारा लगातार गांव-गांव असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।उन्होंने कहा कि अगर किसी गांव में त्योहारों आदि से सम्बंधित समस्या है तो आप लोग बताएं जिसका तत्काल निराकरण कराया जा सके।इस दौरान मीटिंग में थाना प्रभारी ने ग्राम प्रधानों से अपील करते हुए कहा की क्षेत्र में पुलिस गश्त तो रहती ही है और प्रधान गांव का जिम्मेदार व्यक्ति होता है इसलिए आप सभी प्रधान अपने-अपने गांव में शांति व्यवस्था बनाये रखने में हमारा सहयोग करें।तिराहा एवं चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं जिससे अप्रिय घटनायें न घट सके।क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों से एक माह के भीतर अपने-अपने ग्रामों में ग्राम सुरक्षा समिति का पूनर्गठन करने के लिए कहा।आयोजित मीटिंग में चौकी इंचार्ज गढ़वा खेड़ा संतोष कुमार,उपनिरीक्षक तेज प्रताप मिश्रा, गन्ना समिति डाइरेक्टर मुकेश वर्मा,प्रधान जोगराजपुर किन्दर सिंह, राममूर्ति, जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि इशहाक खां गुड्डू, सेहरामऊ प्रधान अनिल कुमार,प्रधान भूपराम, नन्दलाल, विजेंद्र सिंह, स्वसहित क्षेत्र के तमाम एवं पूर्व प्रधान व कोटेदार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मा0 सदस्या, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग श्रीमती सपना कश्यप द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से की गई जनसुनवाई

★महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकार की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर किया गया निस्तारित

★महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने के दिए निर्देश

★मा0 सदस्या द्वारा जिला कारागार में महिला बैरक का किया निरीक्षण

★संवासिनियों के निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के दिए निर्देश

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर। मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के अन्तर्गत मा0 सदस्या, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, लखनऊ सपना कश्यप द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने, महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टिगत सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक/महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। मा0 सदस्या द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु जनसुनवाई की गयी जिसमें महिलाओं व बालिकाओं को अधिकारों की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारित किया गया जिसमें उनके द्वारा 14 प्रकरणों को सुना गया जिसमें से 08 प्रकरण घरेलू हिंसा(महिला थाना) तथा 02 प्रकरण पुलिस विभाग(महिला थाना) तथा 01 प्रकरण साइबर क्राइम से सम्बन्धित, 02 प्रकरण राजस्व विभाग से सम्बन्धित तथा 01 प्रकरण महिला कल्याण विभाग से सम्बन्धित प्राप्त हुए हैं जिनमें से 02 प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये तथा प्रकरण में फालोअप लेते हुए निस्तारण आख्या से उन्हें अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये गये। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय द्वारा महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानाकरी प्रदान करते हुए उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिलाओं को पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना से

अच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद में उ0प्र0 बाल सेवा योजना तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, कन्या भ्रूण हत्या, मानव तस्करी के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। जनसुनवाई कार्यक्रम में डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी(प्रशासन), गजेन्द्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट, श्रीमती रूची गुप्ता, क्षेत्राधिकारी, गंगोह, अभिषेक कुमार पाण्डेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं नन्दलाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मा0 सदस्या द्वारा जिला कारागार में महिला बैरक तथा राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन(महिला), फतेहपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार की महिला बैरक में 38 महिलायें निरूद्ध पायी गयी तथा निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई ठीक पायी गयी व महिलाओं द्वारा किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं की गयी। राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन(महिला), फतेहपुर में 57 महिलायें निवासरत हैं जिनमें से 04 बच्चे व 03 बालिकायें राजकीय आश्रम पद्धति आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत हैं। संस्था में साफ-सफाई ठीक पायी गयी तथा संवासिनियों के निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान महिला थाना की निरीक्षक सहित अन्य कार्मिकों के साथ-साथ जिला प्रोबेशन कार्यालय के कार्मिक तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रही। नन्दलाल उपस्थित रहे।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेंगे 02 नि:शुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल ,योजना के लाभ लेने हेतु खाता आधार से लिंक होना अनिवार्य

संस्कार उजाला

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बसंल ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को नि:शुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल वितरित किये जायेंगे। योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर से दिसम्बर 2024 तक तथा द्वितीय चरण में जनवरी से मार्च 2025 तक नि:शुल्क सिलेण्डर रिफिल प्रदान किया जाएगा। मनीष बंसल ने बताया कि प्रधानमंत्री योजना उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को ही नि:शुल्क सिलेण्डर वितरित किया जाएगा। उन्होने कहा कि ऐसे एसीटीसी लाभार्थी जिनके बैंक खाते आधार लिंक होंगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होंगे वही योजना हेतु पात्र होंगे। यह योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत निर्गत होने वाले लाभार्थी को दिये गये दूसरे सिलेण्डर कनैक्शन पर लागू नहीं होगी। योजना के अन्तर्गत 14.2 किग्रा0 उज्ज्वला लाभार्थियों को नि:शुल्क सिलेण्डरों की सुविधा अनुमन्य होगी।

मिशन शक्ति के अंतर्गत स्कूल की छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

संस्कार उजाला

संवाददाता- चेतन शर्मा

सहारनपुर चिलकाना पठेड उत्तर प्रदेश सरकार की महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण अभियान के तहत थाना चिलकाना प्रभारी कपिल देव के नेतृत्व में उप निरीक्षक मोनिका यादव, रश्मि, कांस्टेबल कोमल ,उपनिरिक्षक नरेश कुमार चौधरी,द्वारा जे.पी.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल एवं सरस्वती देवी जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090 वुमेन पावर , 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइफ , 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन ,1930 साइबर अपराध, 108 एंबुलेंस सेवा, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी व छात्रों को मार्गदर्शित किया इस अवसर पर प्रबंधक शिवनंदन शर्मा, प्रधानाचार्य अक्षय कुमार ,रवि कुमार ,अनंत कुमार ,प्रियंक शर्मा ,सुलेखा शर्मा, उषा शर्मा ,रितिका ,बबीता, तन्नू सैनी ,अफसा खान,कोमल सैनी व स्कूल की सभी छात्राएं उपस्थित रही

लखनऊ में लगे अखिलेश के नए होर्डिंग

लिखाः 'सत्ताईस का सत्ताधीश', बीजेपी प्रवक्ता बोले-सपा के सपने शेख चिल्ली जैसे

लखनऊ । समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के नए होर्डिंग लगाए गए हैं। 'सत्ताईस का सत्ताधीश' लिखी इन होर्डिंग में उनको एक नए अवतार में दिखाया गया है।

इससे सूबे का सियासी माहौल भी गर्म हो गया है। होर्डिंग पर टिप्पणी करते हुए बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा- सपा के सपने शेख चिल्ली जैसे है। जाति-मजहब के समीकरण से सपने साकार नहीं होते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का आज अन-ऑफिशियल जन्मदिन है, जिसको लेकर उनके समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। उनके समर्थकों द्वारा प्रदेशभर में जन्मदिन की बधाईयों की होर्डिंग लगाए गई हैं। प्रदेश की राजधानी में लगा एक होर्डिंग चर्चा का विषय बना हुआ है। सपा नेता जयराम पांडे द्वारा प्रदेश कार्यालय

के बाहर खास तौर पर यह होर्डिंग लगवाई गई है, जिसमें अखिलेश यादव को शक्तिशाली और निर्णायक नेता के रूप में पेश किया गया है। शहर भर में लगी होर्डिंग उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। होर्डिंग के अंत में संस्कृत में एक श्लोक लिखा हुआ है। 'त्वं जीव शतं वर्धमानः. जीवनं तव भवत् सार्थकम्. इति सर्वदा मुदं प्रथयामहे

जन्मदिवसस्य अभिनन्दनानि.' इस श्लोक का अर्थ है कि आप जियो सौ साल, आपकी जिंदगी सफल हो, आप हमेशा प्रसन्न रहें। आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपको बताते चलें कि इस साल हुए लोकसभा चुनाव में सपा का प्रदर्शन काफी जबरदस्त रहा था। पार्टी को प्रदेश के 70 में से 37 सीटें मिली थी। इस पोस्ट में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के संदर्भ में लिखा था। उम्मीद की गई है कि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत मिले। सपा के पोस्टर पर भाजपा ने चुटकी ली। इस पर बीजेपी प्रवक्ता ने बयान जारी कर सपा पर कटाक्ष किया है। प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी बोले- 2027 तो दूर है।

यह सपना अभी उपचुनाव में ही टूट जाएगा। सपा का सपना 2017, 2019, 2022 और 2024 में टूट चुका है। जाति-मजहब के समीकरण से सपने साकार नहीं होते हैं। पोस्टर को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा- 2027 में अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा-भाजपा मिल्कीपुर उपचुनाव को षड्यंत्र के तहत नहीं करा रही है। जब भी मिल्कीपुर उपचुनाव होंगे, सपा बंपर वोटों से जीत दर्ज करेगी।

वीरगति को प्राप्त होने वाले पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में सोमवार 21 अक्टूबर 2024 को १पुलिस स्मृति दिवस१ के अवसर पर कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहूति देने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति में पुलिस लाइन बांदा में परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल सहित सभी राजपत्रित अधिकारियों व अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा शहीद हुए पुलिसकर्मियों को याद कर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई । इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व पुलिस महानिदेशक उ०प्र० के संदेश से सभी पुलिसकर्मियों को अवगत कराते हुए विगत एक वर्ष में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शहीद हुए पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को याद करते हुए उनकी शौर्य गाथा बताई गई। कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु देश भर के पुलिस बल द्वारा प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को १पुलिस स्मृति दिवस१ मनाया जाता है। बता दें कि दिनांक 01.09.2023 से 31.08.2024 तक पूरे भारत वर्ष में 216 पुलिसकर्मी अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहूति दे दी जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस के 02 पुलिसकर्मी आरक्षी स्व0 रोहित कुमार जनपद फतेहगढ़ व आरक्षी स्व0 सचिन राठी जनपद कन्नौज ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। पुलिस स्मृति दिवसः- 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट-स्प्रिंग के पास उफ्द्धत्र (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की एक टुकड़ी भारत-तिब्बत सीमा पर नियमित गस्त के लिए निकली थी। उसी दौरान पहले से ही घात लगाकर बैठे चीनी सैनिकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी । सीआरपीएफ के जवानों ने भी उस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया लेकिन उस अचानक हुए हमले में सीआरपीएफ के 10 जवान शहीद हो गए तथा सात अन्य जवान घायल हो गए, उसी दिन से उन 10 वीर सीआरपीएफ जवानों की शहादत को याद करते हुए प्रत्येक वर्ष संपूर्ण भारतवर्ष में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है । प्रत्येक वर्ष ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले और लद्दाख में शहीद हुए वीर पुलिसकर्मियों के बलिदान के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को १पुलिस स्मृति दिवस१ मनाया जाता है ।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत चला अभियान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के क्रम में बुधवार को नपा कर्मियों और पुलिस टीम ने बुद्ध स्थली स्थित बुद्ध मार्ग पर अवैध अतिक्रमण को हटवाया। इससे पूर्व दुकानदारों को अतिक्रमण हटा लेने की अपील प्रशासन ने की थी। प्रभारी रास बिहारी श्रीवास्तव, स्वच्छता प्रभारी श्रवण तिवारी व पर्यटन थाना प्रभारी बबलू सोनकर के नेतृत्व में बुध्द गेट से अतिक्रमण हटवाने का अभियान शुरू किया गया। जिससे

पटरी दुकानदारों में हड़कंप मच गया और वे अपने ठेले खोमचे हटा लिए। यहां अधिकतर दुकानदारों ने अपने बोर्ड आदि हटा लिए हैं। पाठक पुस्तक भंडार के समीप एक मेज को हटवाया गया। पुलिस ने बाइकों को दुकानों के आगे से हटाने को कहा। जिसपर कुछ दुकानदारों ने प्रतिवाद करते हुए कहा कि अधिकतर प्रशासनिक अधिकारियों ने सड़क पर लगे पेड़ को ही चिन्ह माना जिसके सीध से सड़क की जद में अतिक्रमण नहीं होगा लेकिन नाली के पास की गाड़ियों को हटाना उचित नहीं है। पुलिस ने कहा कि हम प्रशासन के दिये आदेश का पालन कर रहे हैं। इसी क्रम में टीम ने बुद्ध मार्ग पर घूमकर अतिक्रमण को हटवाया। इस दौरान नपा कर्मी हरेंद्र यादव, कमोद तिवारी, सिद्धार्थ, भोला, रिजवान, गोपाल, शरिक, अनिल, राजकुमार, नवनीत, रुस्तम, प्रमोद, जुनैद, जीउत आदि सहित पुलिस कर्मी और सभासद केशव सिंह मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष के आगमन पर बृहद गौ संरक्षण एवं गैस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राज्यमंत्री श्याम बिहारी गुप्ता के बांदा आगमन पर महुआ ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत महुआ में बृहद गौ संरक्षण एवं गौ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी एवं किसान लोग उपस्थित रहे। सभी किसानों से अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने अपील की कि आप अपने-अपने घरों में एक गोवंश अवश्य रखें जिससे गौ संरक्षण की समस्या समाप्त हो सके और योगी आदित्यनाथ महाराज का सपना पूरा हो सके। उन्होंने गौशाला में पहुंचकर गौ माता को गुड़ चना खिलाकर गो पूजन किया, इसके बाद वहां पर उपस्थित सभी किसानों को सम्मानित भी किया। जो किसान अपने घर पर गोवंश पाले हुए हैं उन सभी किसानों को

सम्मानित किया और उन्होंने सभी को शपथ दिलाई कि आप सभी दूसरे किसानों को भी जागरूक करें कि आप अपने-अपने घरों में एक गोवंश अवश्य संरक्षित करें जिसके तहत उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा प्रत्येक गोवंश के लिए महीने के लिए ₹1500 महीना सरकार के द्वारा दिया जाएगा। गौ सेवा आयोग के सदस्य राजेश जी ने बताया कि गौ माता एक धरती की जीवन दाता है, अगर गौ माता इस धरती में नहीं रहेगी तो बहुत बड़ा संकट आ सकता है। इन सभी की जिम्मेदार हम सभी आप लोग ही होंगे, क्योंकि गौ माता को आप लोग अपने-अपने घरों में नहीं रखते उनको सड़कों पर छोड़ देते हैं। जिससे गौ माता सड़क पर दर-दर की ठोकर खाती हैं। गौ सेवा आयोग अध्यक्ष ने बताया कि गौ सेवा में बांदा में जो भी कमियां होगी उन कमियों को बहुत जल्द पूरा किया जाएगा। जो भी जिम्मेदार अधिकारी इस विषय में उचित कार्य नहीं करेगा उनके खिलाफ कार्रवाई भी करवाई जाएगी। इस मौके में विश्व हिंदू महासंघ गोरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष को बांदा की विभिन्न समस्याओं को अवगत कराया गया और उन्होंने कहा कि बहुत जल्द आपकी समस्याएं को लेकर पूज्य महाराज जी के सामने रखी जाएगी और बांदा पर जो भी जिम्मेदार अधिकारी सही से कार्य नहीं करेगा या गोवंश के प्रति रुचि नहीं दिखाएगा उसके खिलाफ उचित कार्रवाई कराई जाएगी। इस मौके में जिला संयोजक शिक्षा प्रकोष्ठ भाजपा देशराज, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र शर्मा, डिप्टी सीवीओ श्रीराम कुशवाहा, ग्राम प्रधान बेटा लाल, पैलानी तहसील अध्यक्ष पवन द्विवेदी, नरैनी तहसील अध्यक्ष सोनू करवरिया, महुआ ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, नंदू प्रजापति आदि सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रदेश की राज्यपाल ने पाँच स्वर्ण पदकों से राजकिशोर को किया सम्मानित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बुधवार 23 अक्टूबर 2024 को संत कृपाल सिंह विधि महाविद्यालय, बाँदा के छात्र राजकिशोर पाण्डेय को उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल द्वारा कुलाधिपति काँस्य पदक एवं अन्य चार स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के 23 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर महात्मा गांधी सभागार, विश्वविद्यालय परिसर झांसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करनें वाले छात्र- छात्राओं को विभिन्न पदकों से सम्मानित कर मानद उपाधियाँ प्रदान की गई। जिसके अन्तर्गत संत कृपाल सिंह विधि महाविद्यालय छछ.इ. के छात्र को विधि संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय एवं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान महामहिम राज्यपाल द्वारा अपने उद्बोधन में छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि विकसित भारत के निर्माण में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के छात्र डिफेंस कारीडोर के रिसर्च प्रोजेक्ट में अपना योगदान देकर भारत को सशक्त बनानें में अहम भूमिका निभा सकते है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने छात्रों को जनकल्याण की भावना को अपनें हृदय में समाहित करनें हेतु ह्ल वसुधैव कुटुंबकम ह्ल का मूल मंत्र दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कुलपति डा0 मुकेश पाण्डेय, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, महाविद्यालय के सचिव यश शिवहरें, निदेशक डा० सर्वेश अग्निहोत्री आदि उपस्थित रहे।

दीवाली से पहले मिलेगा नव नियुक्त शिक्षकों को पहली बार वेतन

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बांदा के जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि जनपद बांदा में 12460 भर्ती के तहत नव नियुक्त शिक्षकों में से पहली लिस्ट में 97 और दूसरी लिस्ट में 43 कुल 140 नव नियुक्त शिक्षकों के वेतन भुगतान का आदेश राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बांदा के प्रयासों से जारी हो गया है। दिनांक 22 अक्टूबर को जारी आदेश में 43 नवनियुक्त शिक्षकों के वेतन भुगतान का आदेश जारी किया गया है। इन सभी शिक्षकों को दीपावली के शुभ अवसर पर पहली बार वेतन प्राप्त होगा। जिसके लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा महोदय द्वारा समय पर कार्य करने की प्रतिबद्धता अत्यन्त प्रशंसनीय है। दीपावली के अवसर पर वेतन आदेश जारी होने पर सभी नव नियुक्त शिक्षकों में खुशी की लहर है। समस्त नव नियुक्त शिक्षकों की तरफ से राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा को बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता है।

केन जल आरती में केन नदी के अस्तित्व को लेकर जताई चिंता, खनन पर तोड़ी चुप्पी

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जिला मीडिया प्रभारी मितेश कुमार ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मंगलवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ केन जल आरती का कार्यक्रम विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति एवं गंगा समग्र (कानपुर प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस दौरान केन नदी के अस्तित्व की लेकर सभी ने चिंता जताई। इस दौरान समिति ने अवैध खनन को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा कि बांदा जनपद की कर्णावती कहे जाने वाली और बुंदेलखंड की जीवनदायनी कही जाने वाली के मां के अस्तित्व पर आज बहुत प्रभाव पड़ रहा है जोकि इसका अस्तित्व खतरे में है। जानकारी दी गई कि जिला गंगा समग्र एवं विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति के द्वारा लगातार ही बुंदेलखंड की जीवनदायनी कही जाने वाली केन मां को बचाने की अपील और प्रयास लगातार किया जा रहा है। इस दौरान आगाह किया गया कि अगर जिला प्रशासन अवैध खनन पर ध्यान नहीं देता है तो गंगा समग्र की टीम अवैध खनन करने वाले स्थानों पर स्वयं पहुंचकर और वहां की स्थिति का सर्वे कराकर अवैध खनन करने वालों के खिलाफ उचित कार्यवाही की मांग करेगी। अवगत कराया गया कि वर्तमान में केन नदी का अस्तित्व खतरे में है और अवैध खनन भी खूब किया जा रहा है। इसपर जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने अपनी नाराजगी जाहिर की है और प्रशासन से उचित कार्यवाही की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि आगामी 29 अक्टूबर 2024 को गंगा समग्र एवं गौ रक्षा समिति के तत्वाधान में दीप उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें अधिक से अधिक भक्तगण हिस्सा लेंगे। इस मौके पर जिला सह प्रभारी आलोक कुमार निगम, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्रा, जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरिया, जिला मंत्री कमलेश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष प्रेम गुप्ता, नगर अध्यक्ष बृज किशोर द्विवेदी, सदर तहसील अध्यक्ष विनय कुमार प्रजापति, महामंत्री तहसील सुधीर प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष सत्यम मिश्रा आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डल स्तरीय बैठक में मंडलायुक्त ने किया निर्देशित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में बुधवार को आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस प्रकरणों का निस्तारण स्थलीय निरीक्षण करते हुए तथा शिकायतकर्ता से संम्पर्क करते हुए शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता के किया जाए, असंतुष्ट फीड बैंक प्राप्त नहीं होने पाये। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में भी गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद की रैंकिग में भी सुधार लाने के निर्देश दिये। उन्होंने आगामी नवम्बर माह में धान खरीद शुरू होने के लिए किसानों का रजिस्ट्रेशन अधिक से अधिक कराये जाने हेतु एक सप्ताह का अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने नहरों की शिल्ट सफाई का कार्य गुणवत्ता के साथ कराये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया। जनपद चित्रकूट में शिल्ट सफाई का कार्य संचालित है तथा जनपद बाँदा में दिसम्बर माह तक कार्य पूर्ण किया जायेगा। उन्होंने सभी गौवंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने तथा पर्याप्त भूसा आदि की व्यवस्था रखने के निर्देश दिये एवं हरे चारे हेतु चारागाहों की भूमि का सत्यापन कराकर हरा चारे उगाने की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सहभागिता योजना में दिये गये गौवंशों का समय से भुगतान कराये जाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने सद्धक तथा सेतुओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नई सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए तथा सभी सड़कों को गड् ढा मुक्त करते हुए मरम्मत का कार्य भी शतप्रतिशत रूप से सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों को सेतुओं का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ किये जाने तथा चित्रकूट में सेतुओं के निर्माण कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सहकारी समितियों में किये जाने के निर्देश दिये

तथा जिला सहकारी बैंको से ऋण वितरण वसूली की समीक्षा करते हुए वसूली में वृद्धि लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों के रजिस्ट्रेशन बढायें जाने तथा योजना का प्रचार-प्रसार कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना में जिन किसानों की ई-केवाईसी किया जाना अवशेष रह गये हैं, उनको शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों का गठन कराकर तथा जेएनआर एलएम में समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज किये जाने के सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्रों के बैंकों से अवशेष समूहों को लिंकेज कराये जाने के निर्देश दिये तथा बीसी सखी योजना में हमीरपुर व बाँदा में प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया। आयुक्त ने जल जीवन मिशन हर घर नल जल योजना के अन्तर्गत जिन गाँवों में कनेक्शन दिये गये हैं, उन गाँवों में नियमित रूप से जलापूर्ति निश्चित रूप से समय के अनुसार करायी जाए तथा सभी अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें। उन्होंने खोदी गयी सभी सड़कों को तत्काल गुणवत्तायुक्त मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति में वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में समस्त बेसिक शिक्षा एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता एवं छात्रों की उपस्थित में वृद्धि लायी जाए तथा नवम्बर माह में निपुण परीक्षा बेहतर रूप से आयोजित की जाए। उन्होंने 15 वें वित्त आयोग एवं 5वें राज्य वित्त आयोग कार्य की समीक्षा करते हुए जनपद चित्रकूट में कार्यों में तेज गति से प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने एसवीएम जी फेस-2 में व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण कार्य में हमीरपुर एवं बाँदा में कार्यों को तेज गति से कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने चित्रकूट जनपद में अवशेष आरआरसी केन्द्रों का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन गरीब पात्र लोगों को चिन्हित कर योजना का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए किसानों को समय से बीज वितरण कराये जाने, फसल बीमा योजना का प्रचार प्रसार व किसानों को इससे होने वाले लाभ की जानकारी बैंकों एवं ब्लॉक स्तर से प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी बाँदा नगेन्द्र प्रताप, जिलाधिकारी चित्रकूट शिवशरणअप्पा जीएन, जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम, जिलाधिकारी महोबा, अपर आयुक्त प्रशासन अमर पाल सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त यशवंत कुमार सिंह सहित मण्डल के समस्त मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के उपरान्त आयुक्त ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा स्पॉन्सरशिप योजना के अन्तर्गत जिन बच्चों के अभिभावकों की कोविड के दौरान मृत्यु हो गयी थी, उनके 04 बच्चों क्रमशः राजनंदनी बिजली खेडा बाँदा, किरन आर्यकन्या इण्टर कॉलेज, अविनाश एवं काव्या को पुरस्कार देते हुए प्रोत्साहित किया।

अधिक से अधिक सदस्य बनने के लिए जिला अध्यक्ष के संग कारागार राज्य मंत्री ने प्रधानों व बीडीसी सदस्यों के साथ की बैठक।

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
जिले के हरगांव विकास खण्ड केसभागार में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता अभियान की धीमी गति को लेकर ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक को सम्बोधित किया।बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने की। जानकारी के अनुसार हरगांव विकास खण्ड के अन्तर्गत विकास खण्ड के सभागार में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संयुक्त बैठक को उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने भाजपा के सदस्यता अभियान को गति देने के लिए बैठक में आए जन प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनाने की पुरजोर अपील की। बैठक को समारोह की अध्यक्षता कर रहे भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने सम्बोधित करते कहा के पार्टी की जान उसके सदस्य रूपी कार्य कर्ता होते है।जिस पार्टी के जितने अधिक कार्यकर्ता रूपी सदस्य होंगे।वह पार्टी उतनी ही मजबूत होगी।इसलिए आप सभी लोग जुटकर पार्टी के सदस्य बनाने मे परिश्रम करें।जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री उ.प्र. योगी आदित्य नाथ के हाथों को मजबूत करेंगे। आप सभी जनप्रतिनिधियों को सदस्यता अभियान को गतिमान करके उत्तर प्रदेश को देश के अन्तर्गत प्रथम स्थान पर लाना है। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य/ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश वर्मा,मंडल अध्यक्ष हरगांव संजय जायसवाल,मंडल अध्यक्ष नवीनगर गोपाल दीक्षित शास्त्री,रोहित मिश्र, कौशलेंद्र सिंह चकरू सिंह, रईश आलम कोरैया,सूरज जायसवाल,सरवन जायसवाल प्रधान, विपिन वर्मा,अच्छन खां,अलीयार खां,अब्बास अली,विजय कुमार,सिध्देश्ववर सिंह, अंकित सिंह, आदि भारी संख्या में क्षेत्रीय जन मौजूद रहे।

त्यौहारों पर शान्ति व्यवस्था के लिए थानावार नामित किये गये मजिस्ट्रेट

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर
बहराइच आसन्न धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, मैयादूज एवं छठ पूजा इत्यादि त्यौहारों को धार्मिक आयोजन हेतु शासन द्वारा निर्गत गाईडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए शान्ति एवं सौहादपूर्ण वातावरण में सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी द्वारा प्रत्येक थाना क्षेत्र के लिए 01-01 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर पुलिस अधिकारी की तैनाती की गयी है। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी सम्पूर्ण थानाक्षेत्र अन्तर्गत शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए उत्तरदायी होंगे। त्यौहारों के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट परिसर स्थित आपदा कार्यालय में स्थापित कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 05252-230132 है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के लिए तहसीलदार सदर मो.न. 9454416038 व प्रभारी निरीक्षक को.नगर मो.नं. 9454402976, थाना कोतवाली देहात के लिए बीडीओ चित्तौरा मो.नं. 9454464810 व प्र.नि. को. देहात मो.नं. 9454402977, थाना दरगाह शरीफ के लिए नायब तहसीलदार सदर मो.न. 9984967016 व थानाध्यक्ष दरगाह शरीफ मो.नं. 9454402969, पयागपुर के लिए बीडीओ पयागपुर मो.नं. 9454464818 व थानाध्यक्ष पयागपुर मो.नं. 9454402982, रानीपुर के लिए नायब तहसीलदार सदर मो.नं. 7985685467 व रानीपुर थानाध्यक्ष मो.नं. 9454402984, विशेश्वरगंज के लिए बीडीओ विशेश्वरगंज मो.नं. 9454464817 व विशेश्वरगंज थानाध्यक्ष मो.नं. 9454402988, रिसिया के लिए बीडीओ रिसिया मो.नं. 9454464809 व थानाध्यक्ष रिसिया मो.नं. 9454402985, कैसरगंज के लिए बीडीओ कैसरगंज मो.नं. 9454464815 व कैसरगंज थानाध्यक्ष मो.नं. 9454402974, जरवल रोड के लिए बीडीओ जरवल मो.नं. 9454464816 व जरवल थानाध्यक्ष मो.नं. 9454402973, फखरपुर के लिए बीडीओ फखरपुर मो.नं 9454464813 व फखरपुर थानाध्यक्ष मो.नं. 9454402970 तथा थाना क्षेत्र हुजूरपुर के लिए बीडीओ हुजूरपुर मो.न. 9454464814 व थानाध्यक्ष हुजूरपुर मो.न. 9454402972 को क्रमशः सेक्टर मजिस्ट्रेट व सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार थाना कोतवाली नानपारा के लिए बीडीओ बलहा मो.न. 9454464807 व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नानपारा मो.न. 9454402980, मोतीपुर के लिए तहसीलदार मिहींपुरवा मो.न. 9454416045 व थानाध्यक्ष मोतीपुर मो.न. 9454402978, रूपईडीहा के लिए तहसीलदार नानपारा मो.न. 9454416039 व थानाध्यक्ष रूपईडीहा मो.न. 9454402986, मूर्तिहा के लिए बीडीओ मिहींपुरवा 9454464805 व प्र.नि. कोतवाली मुर्तिहा मो.न. 9454402979, सुजौली के लिए नायब तहसीलदार. मिहींपुरवा मो.न. 9451934605 व थानाध्यक्ष सुजौली मो.न. 9454402987, नवाबगंज के लिए बीडीओ नवाबगंज मो.न. 9454464806 व थाना नवाबगंज मो.न. 9454402981, बौण्डी के लिए प्रभारी तहसीलदार महसी मो.न. 9454416041 व थानाध्यक्ष बौण्डी मो.न. 9454402968, खैरीघाट के लिए बीडीओ शिवपुर मो.न. 9454464808 व थानाध्यक्ष खैरीघाट मो.न. 9454402975, हरदी के लिए बीडीओ महसी मो.न. 9454464811 व थानाध्यक्ष हरदी मो.न. 9454402971, रामगॉव के लिए नायब तहसीलदार महसी मो.न. 9452473633 व थानाध्यक्ष रामगॉव मो.न. 9454402983 तथा थाना क्षेत्र मटेरा के लिए नायब तहसीलदार नानपारा मो.न. 9454345300 व थानाध्यक्ष मटेरा मो.न. 9454404987 को क्रमशः सेक्टर मजिस्ट्रेट व सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। डीएम द्वारा शहरी क्षेत्र के लिए नगर मजिस्ट्रेट तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट को सह जोनल मजिस्ट्रेट नामित करते हुए निर्देशित किया गया है कि शान्ति व्यवस्था के लिए पुलिस क्षेत्राधिकारी व जोनल मजिस्ट्रेट से समन्वय बनाये रखेंगे। एसडीएम व सीओ को निर्देश दिया गया है कि तहसील क्षेत्रान्तर्गत समस्त थानो के त्योहार रजिस्टर का भी भली-भाँति अवलोकन कर लें, यदि पूर्व में किसी स्थान पर विवाद हुआ है तो स्वयं स्थल व रूट का स्थलीय निरीक्षण कर लें। ऐसे व्यक्ति जिनके द्वारा विवाद किया जाना संज्ञान में आता है तो उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र से सम्बन्धित शान्ति-व्यवस्था की सूचना नगर मजिस्ट्रेट/सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट तथा कन्ट्रोल रूम के दूरभाष संख्या-05252-230132 को उपलब्ध कराते रहेंगें।

संक्षिप्त डायरी

हत्याभियुक्त हुआ गिरफ्तार

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व नियंत्रण हेतु अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही/शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया । पुलिस अधीक्षक के उक्त निर्देश के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी प्रकाश कुमार के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार के नेतृत्व में थाना अटरिया पुलिस टीम ने दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम असनिया मजरा शाहजहां पुर में पैंतिस वर्षीय लवकुश लोध पुत्र मोहनलाल के घर में गांव के ही राजकुमार उर्फ तन्नु लोध पुत्र नत्था की बकरी चले जाने को लेकर हुए विवाद में राजकुमार द्वारा लवकुश पर बांके से प्रहार करने से मृत्यु होने के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मु०अ०सं० 283/24 धारा 103(1)/352 इठर पंजीकृत किया। पंजीकृत अभियोग की विवेचना व प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त राजकुमार उर्फ टन्नू पुत्र नत्था निवासी असेनिया मजरा शाहजहांपुर थाना अटरिया जनपद सीतापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर आलाकत्ल (एक अदद बांका) बरामद हुआ है। कठोर कार्यवाही हेतु गिरफ्तार अभियुक्त का चालान सम्बन्धित न्यायालय में किया गया। पुलिस के जिम्मेदारों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्यवाही इसी प्रकार चलती रहेगी। इस अभियुक्त की गिरफ्तारी में अटरिया पुलिस टीम के थानाध्यक्ष रोहित सिंह, मुख्य आरक्षी महेश पाल,अरविंद गौतम, आरक्षी हरिकेश सिंह शामिल रहे।

संगठन के पदाधिकारियों ने दो सांसदों को सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
आल इण्डिया फेयर शाप डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष राम लखन सिंह यादव के द्वारा जिला अधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी सीतापुर,सदर सांसद राकेश राठौर धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया को संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं राशन डीलरों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन/मांग पत्र में कोटेदारो की समस्याओं जैसे कमीशन की बढ़ोतरी एवं मानदेय बढ़ाए जाने हेतु संगठन के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सिंहासन पर बैठाने का कार्य किया है।उत्तर प्रदेश के राशन डीलरों ने ईमान दारी पूर्वक राशन को उपभोक्ताओं तक कोरोना काल से लेकर अब तक जनहित में वितरित करते चले आ रहे हैं। भारत सरकार से उत्तर प्रदेश सरकार को प्रशंसा पत्र भी राशन डीलरों के वितरण के उपरांत ही प्राप्त हुआ। सरकार को हमारा लाभांश गोवा,गुजरात, हरियाणा,दिल्ली के तर्ज पर दो सौ रुपए प्रति कुंतल बढ़ा देना चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि सभी शासनादेश आयुक्त को उपलब्ध कराए गए हैं। दो सौ रुपए का प्रस्ताव भी प्रमुख सचिव खाद्य के द्वारा सरकार तक पहुंच दिया गया।लेकिन सरकार ने अभी तक हमारा लाभांश नहीं बढ़ाया जिसके सापेक्ष में चार दिसंबर को उत्तर प्रदेश के समस्त मण्डलों से राशन डीलर जवाहर भवन का घेराव करेंगे।आयुक्त को पत्रक के माध्यम अवगत कराते हुए आंदोलन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह यादव ने कहा सीतापुर के ठेकेदारों द्वारा सभी राशन डीलरों को खाद्यान्न दुकान पर कट्टी वजन सहित अपने कांटे से तौल कर गुणवत्ता सहित खाद्यान्न नहीं पहुंचाया जा रहा है ।जिम्मेदार अधिकारी मौन है समस्त अधिकारी शासना देश के अनुरूप छोटी-बड़ी गाड़ियों के द्वारा खाद्यान्न दुकान तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें। अन्यथा की स्थिति में खाद्यान्न प्राप्त नहीं किया जाएगा। समस्त जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी शासनादेशों का परिपालन कराया जाए। उक्त कार्यक्रम में मौजूद समस्त पदाधिकारी और राशन डीलरों ने 4 दिसंबर को जवाहर भवन घेराव में सम्मिलित होने की सहमति जताई है। सांसद ने संगठन के लोगो के प्रति सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि कोटेदारो की मांगें उचित है। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री,प्रमुख सचिव को लिखित रूप से अवगत कराऊंगा ।आपकी समस्या का निदान होना चाहिए।कोटेदारो में कहा सर्वर की समस्या का निदान अभी नहीं हुआ है इसे तत्काल ठीक कराया जाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक कुमार सिंह संगठन के प्रदेश महासचिव संगठन के सीतापुर जिलाध्यक्ष राम लखन सिंह यादव ,विशाल रस्तोगी,विजयवर्मा,आशीष, राकेश सिंह,अजय जायस वाल,अशोक रावत, वीरेंद्र मधुकर,कमलेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह,विनोद तिवारी, कन्हैया यादव, धर्मेंद्र,मोनू शुक्ला,बृजलाल,रमेश,सुरेंद्र यादव, संतराम,केवाराम, सुधीर मिश्रा,धर्मेंद्र सिंह, कृष्ण स्वरूप पांडे, कय्यूम खां,त्रिभुवन वर्मा,नसीम खां दिलीप गुप्ता,राजकुमार गुप्ता,अतुल गुप्ता, वीरेन्द्र, कुंज बिहारी,आलोक मिश्र, राजेंद्र आदि समस्त पदाधिकारी गण व सैकड़ों की संख्या में राशन डीलर मौजूद रहे।

सरौरा खुर्द में भागवत कथा सुनकर झूमे भक्त श्रोता

भगवान शिव महिमा अपरम्पार : साध्वी आरती शास्त्री

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
सिधौली तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरौरा कलां के मजरा सरौरा खुर्द में पांच दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन सुप्रसिद्ध कथा वाचक साध्वी कुमारी आरती शास्त्री ने बताया भगवान शिव महिमा अपरम्पार है। जो अपमान रूपी विष को पी लेता है वह उन्नतिरूपी चंद्रमा को धारण कर सकता है।उसी के जीवन में ज्ञान रूपी गंगा प्रभावित होती है। साध्वी ने आगे कहा कि स्त्री का पतिव्रत धर्म श्रेष्ठ हो तो भगवान भी उसके यहां पर बालक बनकर आते हैं। सौभाग्यवती महिला में लक्ष्मी का रूप होता है। श्रीमद्भागवत ऐसी कथा है जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दशार्ती है। इसलिए जहां भी भागवत होती है इसे सुनने मात्र से वहां का सम्पूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक ऊर्जा से सशक्त हो जाता है। और कहा कि जब तक भक्तों का मन पवित्र नहीं होगा तब तक भागवत कथा श्रवण का लाभ नहीं मिल सकता है। कथा के दौरान मनोहर लाल प्रजापति, जमुना प्रसाद प्रजापति,गंगाराम राजेश कुमार प्रजापति, राकेश कुमार विश्वकर्मा, संदीप कुमार,संजीव कुमार,अजय कुमार,विश्व कर्मा,सलीम,जफर अली, वीरेंद्र कुमार सुशील कुमार, रमेश चंद्र, गयाप्रसाद, रंजीत कुमार नंदकिशोर प्रजापति, अशोक कुमार आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

उपनिबंधक कार्यालय के कर्मचारी पर लगे पांच हजार रुपए रिश्वत मांगने के आरोप उच्चाधिकारियों से शिकायत

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय
जनपद की तहसील लहरपुर उप निबंधक कार्यालय के एक कर्मचारी पर विवाह पंजीकरण कराने के नाम पर पांच हजार रुपए मांगे घूस मांगे जाने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने आईजी आरएस के माध्यम से उच्चाधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की। गौरतलब हो कि लहरपुर स्थानीय तहसील स्थित उप निबंधक कार्यालय पर सोमवार को उस समय हंगामा हो गया जब एक ग्रामीण से कार्यालय में कार्यरत एक कर्मचारी ने विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र देने के नाम पर पांच हजार रुपए की मांग की। जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम मोहिउद्दीनपुर पोस्ट अंगरासी शेखवापुर निवासी अनुज कुमार ने सोमवार को अपने भाई लवकुश कुमार का विवाह पंजीकरण कराने हेतु उप निबंधक कार्यालय आया था,विवाह पंजीकरण हो जाने के उपरान्त विभाग के एक कर्मचारी द्वारा पांच हजार रुपए प्रमाण पत्र देने के नाम पर रिश्वत की मांग की गई। प्रमाण पत्र देने में आना कानी को लेकर विवाद होने लगा जिस पर अनुज कुमार ने डायल 112 पर कॉल करके मौके पर पुलिस बुला ली। अनुज कुमार का आरोप है कि निबंधक कार्यालय के कर्मचारी बाबू राजकुमार द्वारा उसकी रसीद फाड़ दी गई। मंगलवार को अनुज कुमार ने कोतवाली पुलिस व जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा कर आरोपी कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की।इस सम्बन्ध में जब उप निबंधक अनूप सिंह से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो फोन नहीं उठा। इस सम्बन्ध में अपर जिला अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय हिन्दू परिषद के प्रदेश मीडिया प्रभारी बने वायुनायक कश्यप

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
अटरिया इलाके के मनवां गांव निवासी वायु नायक कश्यप को राष्ट्रीय संगठन भारतीय हिंदू परिषद का प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन भारतीय हिन्दू परिषद के संस्थापक पवनेश महराज ने उत्तर प्रदेश में संगठन का विस्तार करने के क्रम में नैमिषारण्य में हुई बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष पण्डित सुरेश चन्द्र अवस्थी के अनुमोदन पर सिधौली क्षेत्र के मनवा गांव निवासी समाजसेवी वायुनायक कश्यप पुत्र रामकुमार कश्यप को उत्तर प्रदेश का प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया।इनके मनोनयन पर अन्तर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पण्डित सुरेश चन्द्र अवस्थी ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। नवनियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी वायुनायक कश्यप ने कहा कि जिस विश्वास के साथ संगठन ने मुझे प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है ईमानदारी पूर्वक संगठन के प्रति काम करेंगे साथ ही उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का बहुत बहुत आभार ज्ञापित किया।

बहराइच थाना हरदी में डीएम व एसपी ने की शान्ति समिति की बैठक

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर
बहराइच आसन्न धनतेरस,दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज एवं छठ पूजा इत्यादि त्योहारों को धार्मिक आयोजन हेतु शासन द्वारा निर्गत गाईडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला ने थाना हरदी में आयोजित शान्ति समिति की बैठक में मौजूद लोगों से अपील की कि आगामी त्यौहारों को सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनायें। डीएम व एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आसन्न त्यौहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था को प्रभावित करने के किसी प्रयास को पूरी गम्भीरता के साथ लिया जायेगा। शान्ति व्यवस्था में विघ्न डालने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। डीएम एसपी ने कहा कि जिला प्रशासन को आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से आगामी त्यौहार भी सौहार्द पूर्ण वातावरण में सम्पन्न होंगे। डीएम व एसपी ने बैठक में मौजूद ग्राम प्रधानों, पूर्व प्रधानों, ग्राम के चौकीदारों एवं कोटेदारों को निर्देश दिया कि ग्राम में शान्ति व्यवस्था को लेकर सतर्क दृष्टि बनाये रखें यदि कहीं पर कोई समस्या संज्ञान में आये तो तत्काल जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी सूचना दें। डीएम व एसपी ने बैठक में मौजूद धर्मगुरूओं, संभ्रान्तजन तथा वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि आपसी सौहार्द बनाये रखने में जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान करें तथा विशेषकर युवकों को संयमित व्यवहार के लिए प्रेरित करें। डीएम ने मौजूद कस्बावासियों से अपील की कि आगामी त्यौहारों को मिसाली भाई-चारे के साथ मिलजुल कर मनाएं, सभी लोग एक-दूसरे की खुशी व गम में शिरकत करें। डीएम व एसपी ने आश्वस्त किया कि त्यौहारों के अवसर पर बिजली, पानी, साफ-सफाई के साथ-साथ गुड पुलिसिंग की व्यवस्था रहेगी। डीएम व एसपी ने कहा कि जनपद में धारा-163 प्रभावी है सभी लोग निषेधाज्ञा का पालन करते हुए हंसी खुशी के साथ त्यौहार मनाये। डीएम एसपी ने कहा कि जनपदवासियों के जानमाल की सुरक्षा जिला प्रशासन का नैतिक दायित्व है। लोगों से अपील की गई कि अफवाहों पर कतई ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया का उपयोग पूरी सावधानी के साथ किया जाए। डीएम एसपी ने कहा कि एक-एक गतिविधि पर सर्तक दृष्टि रखी जा रही है इसके लिए स्थानीय सूचना तन्त्र पूरी तरह से सक्रिय है। यदि कहीं पर कोई अप्रिय तथ्य किसी के संज्ञान में आता है तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को अवश्य दी जाय। डीएम व एसपी ने कहा कि यदि कहीं पर किसी को किसी से कोई शिकायत है तो आपस में ही फैसला करने के बजाय उचित फोरम पर जानकारी दें ताकि जिला प्रशासन समयान्तर्गत समस्या का समाधान करा सके। डीएम व एसपी ने कहा कि विगत दिनों हुई घटना अत्यन्त दुःखद है। जिला प्रशासन को विश्वास है कि आगामी त्यौहार सभी लोग एक दूसरे के साथ मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण मनायेंगे। डीएम व एसपी ने लोगों से अपील की कि धार्मिक आयोजनों में किसी प्रकार का शक्ति प्रदर्शन न करें और त्यौहारों की पवित्रता के मद्देनजर लोगों को नशे का सेवन न करने के लिए प्रेरित भी किया जाय। डीएम व एसपी ने कहा कि सभी धर्मो के अनुयायी एक दूसरे के धार्मिक स्थलों एवं महापुरूषों का सम्मान करें। डीएम एसपी ने कहा कि कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना सभी जिम्मेदार नागरिकों का नैतिक कर्तव्य भी है। हम सभी लोगों को चाहिए कि अपने अधिकार से साथ-साथ अपने दायित्वों को भी याद रखें। डीएम व एसपी ने बताया कि जिले के सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि धार्मिक आयोजनों के लिए शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का पालन कराते हुए शान्ति व्यवस्था बनाए रखी जाय। शरारती एवं असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखते हुए अवैध शराब के निर्माण, संचरण, भण्डारण एवं बिक्री पर पंभावी अंकुश के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही अमल में लायी जाय। डीएम ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देष दिया कि पटाखा निर्माण, विक्रय एवं भण्डारण के लाइसेन्स की शर्तों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराते हुए मा. उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में पटाखों के जलाने व प्रदूषण एवं सुरक्षा सम्बन्धी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय तथा चिन्हित स्थानों पर ही पटाखे की दुकान लगायी जाय। बैठक के अन्त में डीएम व एसपी ने सभी मौजूद लोगों को आसन्न त्यौहारों की बधाई देते हुए पुनः सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाये जाने की अपील की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह, सीओ महसी रवि खोखर, खण्ड विकास अधिकारी महसी हेमन्त यादव, संजय त्रिवेदी, राम लल्लन बाजपेयी, राम कुमार बाजपेयी सहित अन्य ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, धर्मगुरु, गणमान्य एवं संभ्रान्तजन मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीकाकरण के दौरान मिलेगी परिवार नियोजन की जानकारी: योगेश

उम्मीद परियोजना की सिधौली ब्लॉक सभागार में हुई अंतरविभागीय ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
जिले में सिधौली विकास खण्ड के सभागार में मंगलवार को अन्तर्विभागीय ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन पापुलेशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया एवं मोवियस फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित उम्मीद परियोजना के तहत किया गया। बैठक में इस परियोजना के नोडल विभाग के रूप में स्वास्थ्य विभाग के साथ ही पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, आजीविका मिशन,आई सी डीएस सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहायक खंड विकास अधिकारी योगेश कुमार शर्मा ने कहा कि उम्मीद परियोजना से संबंधित बैठकों में सभी विभागों की सहमति हो,साथ ही वाट्स एप ग्रुप के माध्यम से जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास खंड की सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर परिवार नियोजन सम्बन्धित बैठकों का आयोजन किया जाएगा और इन बैठकों में पुरूषों की भागीदारी और परिवार नियोजन पर उनकी भूमिका के महत्व पर जोर दिया जाएगा। सीडीपीओ हेमा शुक्ला ने का कह आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीकाकरण के लिए आने वाली सभी महिलाओं को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की जानकारी देते हुए उन्हें बास्केट ऑफ च्वॉइस के बारे में बताया जाए। इस मौके पर पापुलेशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया की पूर्णिमा चौधरी ने उम्मीद परियोजना के अन्तर्गत अभी तक हुये कार्यों एवं आगामी कार्यो की रूप रेखा के विषय में चर्चा की। उन्होंने कहा कि उम्मीद परियोजना का संचालन जिले में परिवार नियोजन की सेवाओं को और भी बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य हर इच्छुक दंपति को परिवार नियोजन की मनपसंद सेवाएं प्रदान करना और अधिक से अधिक लोग परिवार नियोजन के साधनों का लाभ प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा जिला महिला चिकित्सालय सहित जिले के नौ ब्लॉकों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उम्मीद परामर्श केन्द्र की स्थापना की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के मिश्रिख, बिसवां, परसेंडी, ऐलिया, महमूदाबाद ,खैराबाद, सिधौली, कसमण्डा और गोंदलामऊ विकास खंडों में उम्मीद परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

सीतापुर हैं बेटियाँ प्रकृति का सुंदर उपहार।

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
तेइस अक्टूबर 2024 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत महिला कल्याण विभाग की ओर से कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम जिला महिला चिकित्सालय सीतापुर में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीतापुर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रदेश संयोजिका श्रीमती पूनम मिश्रा व जिला प्रोबेशन अधिकारी सुश्री प्रिया पटेल द्वारा बालिकाओं के जन्म पर केक कटवाकर उनकी मां को बेबी किट,मिष्ठान, पम्पलेट देकर सम्मानित किया। साथ ही नवजात बच्चियों के माता -पिता को यह भी बताया गया कि यहाँ से जाने के बाद कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत आवेदन कर दें। सभी जनसेवा केन्द्रों पर यह सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा सभी बच्चियों का नियमित टीकाकरण कराते रहें। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी सुश्री प्रिया पटेल ने बताया कि बेटियां प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं।सरकार द्वारा चलाए जा रहे, सुकन्या समृद्धि योजना का मुख्य उद्देश्य सभी बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करना है।महिलाओं को विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।वन स्टॉप सेंटर की केन्द्र प्रबंधक दीपिका नाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर पर मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा०सुनीता कश्यप ने महिलाओं को उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी देते हुए सभी नवजात कन्याओं की माता व पिता को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वन स्टाप सेंटर से भारती शुक्ल तथा जिला प्रोबेशन कार्यालय से आचल,मुकेश राज,देवेन्द्र व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नानपारा मे त्योहारों को देखते हुए शांति समिति की बैठक की गई

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर
नानपारा नगर में दिनांक 23.10.2024 को त्योहारों को देखते हुए शांति समिति की बैठक में सभी धर्म गुरुओं और नानपारा नगर के अंतर्गत सभी प्रधानों व मूर्ति जिम्मेदारान कार्यकताओं को भी बुलाया गया थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह के द्वारा सभी लोगों से स्पष्ट रूप से अपील की गई और समस्याओं के बारे में पूछा गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या किसी को होती है तो वो बिना किसी संकोच के अपनी बातों को बोले यदि परिसर में उपस्थित ना हो तो बाद में भी आकर अपनी समस्याओं को अवगत करा सकते हैं। धर्म गुरुओं को से ये भी अपील किया गया है कि यदि रास्ते को लेकर या बिजली का तार ज्यादा नीचे की ओर झुका हुआ हो या टूटा हुआ हो या गंदगी फैली हुई हो तो उसका भी समाधान किया जाएगा। नानपारा एसडीएम अश्वनी पांडेय ने जनता से अपील करते हुए सभी धर्म गुरुओं से बातें की यदि किसी प्रकार की समस्या होती है तो वह व्यक्ति आकर स्वयं हमसे मिले और उसकी समस्या का निवारण होगा किंतु जैसे कि कुछ दिन पहले नानपारा नगर में माहौल बिगड़ने की कोशिश की गई थी उनमें से कुछ लोगों को चिन्हित किया गया है उन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो रही है यदि किसी प्रकार कोई व्यक्ति किसी को भड़काने की कोशिश करेगा तो उसको बिलकुल नहीं बक्शा जायेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी । आगामी त्यौहार दीपावली, धनतेरस, लक्ष्मी विसर्जन, त्यौहार का आनंद लें और खुशियां मनाये सभी लोग त्योहार का आनंद लीजिए और गंगा जमुना की तहजीब की मिसाल बनिए। बैठक में मौजूद एसडीएम नानपारा अश्वनी कुमार पांडेय, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युम्न सिंह,थाना कोतवाली नानपारा प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ,कस्बा चौकी प्रभारी पी एन पांडेय ,राजा बाजार चौकी प्रभारी राम सुधरे यादव , सेक्रेटरी,कई गांवों के प्रधान विद्युत विभाग के जेई व सभी धर्मगुरु, पत्रकार बंधु मुस्तफा अली खान , विवेक कुमार श्रीवास्तव , मोहम्मद इरशाद, रमेश कुमार सोनी, पुनीत कुमार श्रीवास्तव, सोनू श्रीवास्तव,व सभी सम्मानित लोग मौजूद रहे।

कारागार राज्य मंत्री ने भूमि पूजन कर किया बांके बिहारी मन्दिर का शिलान्यास

संस्कार उजाला
सीतापुर राकेश पाण्डेय।
उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री ने जिले के विकास खण्ड परसेंडी क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव में पर्यटन विभाग से स्वीकृत बांके बिहारी मन्दिर का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। जानकारी के अनुसार जिले के विकास खण्ड परसेंडी के अन्तर्गत ग्राम उल्जापुर में पर्यटन विभाग के द्वारा स्वीकृत उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कापोर्रेशन लि. निर्माण ईकाई लखनऊ के अन्तर्गत 28फरवरी 2024 के आदेश के क्रम में स्वीकृत धनराशि एक करोड पच्चिस लाख सत्तासीहजार से श्री बांके बिहारी मन्दिर के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। कारागार राज्य मंत्री ने बताया कि यह क्षेत्र का एक विशालकाय एवं सौंदर्यी करण से परिपूर्ण आस्था का केन्द्र बिंदु होगा। इस अवसर पर प्रधान कपिल सिंह,प्रधान प्रतिनिधि सेलूमऊ सिध्देश्वर सिंह,निवर्तमान मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्र,पप्पू सिंह,ज्ञानी सिंह,नवल किशोर सिंह,रिंकू सिंह, संतोष सिंह,बीडी सी सुशील मौर्य,आदि भारी संख्या में क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

दूषित जलापूर्ति पर गुस्साए विधायक, एक्सईएन सहित अधिकारियों को पिलाया गंदा पानी

चंडीगढ़ । हरियाणा प्रदेश के सबसे बड़े गांव सिसाय में गंदे व बदबूदार जलापूर्ति समस्या का समाधान नहीं होने पर विधायक जस्सी पेटवाड़ ने न केवल अधिकारियों को फटकार लगाई, बल्कि खुद पीकर जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन को भी वही पानी पिलाया। विधायक को शिकायत मिलने पर वह मंगलवार को गांव में पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने जलापूर्ति सहित कई समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ और जेई को सस्पेंड करने की सिफारिश भेजी है। विधायक ने गांव में 12.50 करोड़ की लागत से बन रहे वाटर वर्क्स निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कई खामियां उजागर हुईं। उन्होंने कहा, गांव के जलघर पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। यह जनता का पैसा है। जनता द्वारा भरे गए टैक्स के पैसों की लूटखसोट नहीं होने देंगे। ग्रामीणों ने बताया कि वाटर वर्क्स में जो टैंक बनाया है, उसमें लीकेज है और घटिया सामग्री प्रयोग की गई है। ट्यूबवैल का पानी खारा हो चुका है। पाइप लाइन में लीकेज कारण गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है। जलघर ने जंगल का रूप ले लिया है। बावजूद इसके कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा। इस पर विधायक ने अधिकारियों को इन समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद अफसरों को गांव में सप्लाई किया जा रहा पानी पिलाया और कहा कि इससे आपको ग्रामीणों की पीड़ा का एहसास होगा। इससे पहले उन्होंने स्वयं पानी पिया। सूरजमल, बारुराम, जोगिंदर, सुरेश, रामकिशन, रामपाल, अनिल शर्मा, सतबीर, शमशेर, सज्जन, सचिन, होशियार सिंह, कृष्ण आदि मौजूद रहे।

बीजेपी नेता पर मेकअप आर्टिस्ट से रेप का आरोप, आपबीती सुनकर चौंकी पुलिस...किया ये खुलासा

हिसार: हिसार में भाजपा नेता और प्रॉपर्टी डीलर पर युवती से बलात्कार का आरोप लगा है। पीड़िता ने इसकी शिकायत हिसार सदर थाने में की. मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। वहीं, बीजेपी नेता ने खुद के ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा नेता ने खुद पर लगे आरोपों को साजिश करार दिया है। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक आठ माह पहले वह हिसार मेकअप आर्टिस्ट का काम करती थी. उसे किराए के मकान की जरूरत थी। उसके जान पहचान के एक प्रॉपर्टी डीलर से उसने मकान दिखाने को कहा था। युवती का आरोप है कि उसने प्रॉपर्टी डीलर को दोबारा फोन किया तो भाजपा नेता ने फोन उठाया और कहा कि बाईपास स्थित एक निजी होटल में आ जाओ, प्रॉपर्टी डीलर भी वहीं आएगा। इसके बाद युवती वहां पहुंच गई। युवती का आरोप है यहां दोनों ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे सर्व किया। इसके बाद मौके का फायदा उठाकर बीजेपी नेता ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। उधर, बीजेपी नेता ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया. भाजपा नेता ने कहा कि इस घटना से मेरा कोई लेना देना नहीं है. मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है। मैं उस युवती को जानता तक नहीं हूं। साजिश के तहत मुझे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार का धंधा, पुलिस ने 5 लड़कियों व 8 लड़कों को हिरासत में लिया

यमुनानगर । यमुनानगर जिले में देर रात पुलिस ने स्पा सेंटर पर छापेमारी कर देह व्यापार के धंधे का खुलासा किया। पुलिस ने सेंटर से पांच युवतियों और आठ युवकों को हिरासत में लिया। एक युवती की शिकायत पर सेंटर के मालिक समेत कई के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक मामला थाना हुड्डा सेक्टर 17 क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक स्पा सेंटर में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। पुलिस ने देर रात को सेंटर पर रेड की। जहां पर पांच युवती और आठ युवकों को हिरासत में ले लिया, जबकि एक युवक छत से कूदकर फरार हो गया। युवतियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। एक युवती ने बताया कि छछरौली निवासी एक युवक सेंटर चला रहा था। दबाव बनाकर गलत काम कराया जा रहा था। पुलिस ने युवती के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

अंबाला में किसानों ने कहा : धान में नमी के नाम पर कर रहे परेशान

अंबाला । अंबाला की बुहावा अनाज मंडी में तीन लाख से ज्यादा की आवक हो चुकी है। जिसमें से 2 लाख 70 हजार की खरीद भी की जा चुकी है, 1 लाख 80 हजार का उठान हो चुका है। तो वहीं किसानों का कहना है कि नमी के नाम पर उनको परेशान भी किया जा रहा है, जबकि मंडी सचिव का कहना है कि जो सरकार के नियम हैं उसी हिसाब से खरीद हो रही है।

नमी के नाम पर कर रहे परेशान: किसान

किसानों का कहना है कि वे लगातार धान को खेतों में से मंडी में ला रहे हैं लेकिन नमी 17 से ज्यादा आने के कारण मंडी में फिर से सुखाना पड़ रहा है, जिससे ज्यादा समय लग रहा है। उनका कहना है कि जब तक नमी पूरी 17 नहीं आती तब तक सरकार नहीं ले रही। उनका कहना है कि वैसे तो अब मंडी में उठान भी हो रहा है लेकिन फिर भी मंडी में धान को सुखाने की जगह नहीं है।

नमी के नाम पर परेशान करने की बात गलत: मंडी सचिव

मंडी सचिव नीरज भारद्वाज ने बताया कि अभी धान की आवक पीक पर है मंडी में अभी तक 3 लाख क्विंटल से भी ज्यादा की आवक हो चुकी है जिसमें 2 लाख 70 हजार से भी ज्यादा की खरीद की जा चुकी है। एक लाख अस्सी हज़ार से ज्यादा का उठान भी चुका है। किसानों को नमी के नाम पर परेशान करने की बात को नकारते हुए उन्होंने कहा कि जो सरकार के नियम हैं नमी 17 की खरीद का उसी नियम के तहत खरीद की जा रही है। उनका कहना है कि साढ़े 3 लाख से ज्यादा की आवक की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि एक सप्ताह तक लगभग धान का सीजन खत्म हो जायेगा।

सैलजा ने घेरी सरकार, बोलीं- महिलाओं को 2100 रुपये कब देगी बीजेपी, 500 वाला सिलेंडर कब पहुंचेगा घर

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा ने पहले भी झूठ बोलकर और झूठे वायदे कर सत्ता हासिल की थी और इस बार झूठ के सहारे ही जीत हासिल की। पहली कलम से भाजपा ने संकल्प पूरे करने की बात कही थी पर पता नहीं ये सरकार महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह कब देगी और कब 500 रुपये वाला गैस सिलेंडर रसोईघर में पहुंचेगा।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा जुमलेबाज पार्टी है जहां नेता, नीयत और नीति सब झूठ पर टिके है, झूठे वायदे करना, झूठी घोषणाएं करने में भाजपा को कोई सानी नहीं है। झूठे वायदे कर जनता को गुमराह करती है और सत्ता में आने के बाद सब कुछ भूल जाती है।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में लाडो लक्ष्मी योजना का जिक्र करते हुए कहा था कि 18 से 60 साल तक की 78 लाख महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। कांग्रेस ने इन महिलाओं को 2000 रुपए प्रति महीना देने का वादा किया था लेकिन भाजपा ने इसे 100 रुपए बढ़ा दिया। भाजपा सरकार ने अभी तक महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपये देना शुरू नहीं किया है, ये भी नहीं पता वह कब से देना शुरू करेगी, करेगी भी या नहीं करेगी यह तो भाजपा ही जानती है। महिलाएं आज भी इस प्रतीक्षा में कब उनके खाते में 2100 रुपये आएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने संकल्प पत्र में हर घर गृहिणी योजना के तहत 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया। इसका फायदा राज्य में उज्जवला स्कीम से जुड़ी तकरीबन 49 लाख महिलाओं को होना है। इस योजना के तहत महिलाओं को सिलेंडर की पूरी रकम का भुगतान करना होगा। उसके बाद सब्सिडी की रकम उनके बैंक अकाउंट में डाली जाएगी।

कांग्रेस ने भी अपने घोषणा-पत्र में महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था यानि भाजपा का अपने पास कुछ भी नहीं था उसने कांग्रेस की घोषणाओं को कॉपी किया पर अभी तक भाजपा सरकार ने अपने वायदे अनुसार 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर देना शुरू नहीं किया है। महिलाओं का आज भी इंतजार है कि 500 रुपये वाला गैस सिलेंडर उनके रसोईघर में आएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पहले भी महिलाओं के साथ खिलवाड़ करती आई है और आज भी ऐसा ही कर रही है।

सोनीपत में पराली जलाने के मामले में 6 किसानों को किया गिरफ्तार, 2 कर्मचारी भी सस्पेंड

सोनीपत। सोनीपत में पराली जलाने वाले 6 किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है हालांकि बाद में अभी जमानत पर छोड़ दिया गया है। वहीं किसानों पर जहां अधिकारी पराली जलाने को लेकर सख्त है तो लापरवाही बरतने वाले सोनीपत कृषि विभाग के दो कर्मचारियों को भी विभाग द्वारा सस्पेंड किया गया है।

राजधानी के सबसे नजदीक जिले सोनीपत में इस बार अभी तक 8 मामले सामने आए हैं। जिनमें से 6 किसानों पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और 4 किसानों पर साढ़े 12 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। सोनीपत प्रशासन और कृषि विभाग लगातार प्रयास कर रहा हे कि पराली जलाने के मामले सामने न आऐं। सोनीपत के गन्नौर थाने में 4, बहालगढ़ और मुरथल थाने में 1-1 किसान को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि सभी को जमानत दे दी गई है।

रवींद्र कुमार, पुलिस प्रेस प्रवक्ता, सोनीपत

सोनीपत कृषि विभाग अधिकारी ने जानकारी दी कि पराली जलाने को लेकर विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। सोनीपत में अभी तक हमें हरसेट से 40 लोकेशन प्राप्त हई थी, जिनमें से आठ लोकेशन पर ही आगजनी की घटना पाई गई हैं। आठ लोकेशन पर कृषि योग्य भूमि तो एक अन्य जगह पर पाई गई है। 6 किसानों पर मुकदमा दर्ज किया गया है, तो 4 किसानों पर जुर्माना लगाया गया है। किसानों से विभाग अपील कर रहा है कि वह पराली न जलाऐं, सब्सिडी पर उपकरण उपलब्ध हैं उनका फायदा लें। कृषि विभाग ने दो कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की गई है। दोनों कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है।

हरियाणा में खतरनाक होने लगा डेंगू का डंक, इस जिले में अब तक सामने आए 58 मामले

जींद । जींद में डेंगू का डंक खतरनाक साबित होने लगा है। मंगलवार को डेंगू के 3 नए मामले सामने आए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सर्वे कर बीमार मिले 19 लोगों के खून के सैंपल लिए। मौसम में बदलाव के चलते अक्तूबर और नवम्बर महीने में डेंगू रफ्तार पकड़ता है। शहर में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। मंगलवार को सफीदों के वार्ड-7 में 18 वर्ष के युवक, जींद में सैनी मोहल्ला निवासी 19 साल की युवती और संत नगर में 29 वर्षीय व्यक्ति को डेंगू की पुष्टि हुई।

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश पांचाल ने कहा कि जींद में डेंगू को लेकर स्थिति नियंत्रण में है। जहां पर भी डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, उस एरिया में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर आस-पास सर्वे करवाया जाता है। डेंगू का लारवा मिलने पर इसे स्वास्थ्य कर्मी अपनी देख-रेख में नष्ट करवाते हैं। जींद मे बढ़ते डेंगू व मलेरिया के मामलों के मद्देनजर हाऊसिंग बोर्ड, सैनी मौहल्ला, रूप नगर, सन्त नगर सहित दर्जन भर कालोनियों में डेंगू व मलेरिया के बचाव की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल व उप सिविल सर्जन डॉ. रमेश पांचाल ने बताया कि जागरूकता अभियान में 19 बुखार से पीड़ित लोगों के रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए। स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा की अगुवाई में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने वर्तमान मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव की जानकारी देकर जागरूक किया। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि वर्तमान मौसम डेंगू व मलेरिया के मच्छरों के लिए अनुकूल होने से डेंगू रोग के ज्यादा फैलने की आंशका रहती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति यदि थोड़ी सी सावधानी करके अपने घर तथा आस-पास की सफाई करते हुए गड्ढों, खाली पड़े टायरों व गमलों आदि में गंदा पानी खड़ा नहीं होने दें। पानी के बर्तनों को ढक कर रखें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनों तथा हौदी को सुखाकर ही भरें तो डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया के अलावा डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी भयानक बीमारी से लोगों को बचाया जा सकता है। उन्होंने लोगो को बताया कि यदि सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़कर दूसरे दिन आने, उल्टी दस्त होने, शरीर में कमजोरी आने पर मरीज को तुरन्त अपने आस-पास के स्वास्थ्य केन्द्र या स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के पास ले जाकर खून की जांच करवाने के उपरान्त ही इलाज लेना चाहिए।

अब तक सामने आ चुके 58 मामले : राममेहर वर्मा

स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने कहा कि इस साल अब तक डेंगू के 58 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि मलेरिया के 4 केस मिल चुके हैं। अकेले जींद शहर में ही 20 डेंगू व 1 मलेरिया का मामला सामने आ चुका है। आज चलाए गए अभियान में मुख्य रूप से स्वास्थ्य कर्मी पवन कुमार, दिनेश, देवेन्द्र, जगदीप, ओमप्रकाश, मनफूल, अमरजीत, राजरानी, सीता, नीलम, रानी, राधा रानी, मन्जू, शीला, रानी, मुकेश कुमारी, पूनम सुमन, दर्शना, सूरजमुखी, उर्मिला, मुकेश, सविता, आरती, अन्जू, सोनिया आदि शामिल रहे।

हरियाणा पहुंचीं बीजेपी सांसद व एक्ट्रेस कंगना रनोट

चरखी दादरी। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद व एक्ट्रेस कंगना रनोट मंगलवार को हरियाणा पहुंची। वह चरखी दादरी में अपने भाई के ससुराल में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने आईं। इस दौरान उन्होंने दादरी के बाजार में शॉपिंग की। उनके साथ उनकी बहन रंगोली, भाभी और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। यहां उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। वह जिस ओर गईं उसी ओर भीड़ देखने को मिली। सांसद ने शॉपिंग के बाद बाला वाला मंदिर में पहुंचकर पूजा की। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से भी बात की। बता दें कि सांसद के भाई का ससुराल चरखी दादरी के खेड़ी बत्तर गांव में है। इस गांव की रहने वाली रितु की शादी कंगना के भाई से हुई है।

कृषि कानूनों पर बयान से सुर्खियों में रहीं सांसद- अभी हाल ही में बीजेपी सांसद कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान से सुर्खियों में आई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया (X) पर वीडियो जारी कर रद्द किए गए 3 कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की मांग की थी। जिस पर उनका विरोध हुआ। यही नहीं बीजेपी ने भी उनके इस बयान से किनारा कर लिया था। इसके बाद कंगना रनोट ने माफी मांग ली थी।

'किताब बेचने के चक्कर में ईमान बेच गई', साक्षी मलिक पर भड़कीं दंगल गर्ल्स बबीता और गीता

चंडीगढ़। हरियाणा में पूर्व महिला पहलवानों में बवाल मच गया है। साक्षी मलिक की किताब विटनेस पर हंगामा मच गया है। साक्षी मलिक ने अपनी किताब विटनेस में बबीता फोगाट को लेकर कई दावे किए हैं। इस पर अब दंगल गर्ल्स बबीता फोगाट और उनकी बहन गीता फोगाट ने भी साक्षी मलिक पर तीखा हमला किया है। दोनों बहनों ने साक्षी मलिक के किताब में किए गए दावों को खारिज करते हुए उन्हें खरी-खरी सुनाई है। भाजपा नेता और दंगल गर्ल बबीता फोगाट ने एक्स पोस्ट के जरिये शायराना अंदाज में साक्षी मलिक पर पलटवार किया।

पहलवान साक्षी मलिक के आरोपों पर पहलवान और बीजेपी नेता बबीता फोगाट का कहना है कि साक्षी मलिक बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। कल को वह कह सकती है कि बबीता ने उन पर यौन उत्पीडन के आरोप लगाए हैं। वह यह भी कह सकती है कि बबीता फोगाट ने ही यौन उत्पीड़न किया था। यौन उत्पीड़न में वह बार-बार बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। साक्षी मलिक यह भी कह सकती हैं कि मेडल गंगा में फेंकने का प्लान भी बबीता का था।

शायराना अंदाज में बबीता ने दिया ये जवाब

बबीता फोगाट ने विनेश और साक्षी पर लिखा, खुद के किरदार से जगमगाओ, उधार की रोशनी कब तक चलेगी। किसी को विधानसभा मिला किसी को मिला पद, दीदी तुमको कुछ न मिला, हम समझ सकते है तुम्हारा दर्द। इतना ही नहीं बबीता ने लिखा कि साक्षी मलिक अपनी किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच गई।

गीता फोगाट ने भी दिया जवाब

इसी तरह गीता फोगाट ने भी पूरे मामले पर जवाब दिया और लिखा कि बबीता फोगाट के नाम पर बार-बार अपने एजेंडे अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहते हैं। मैं उनको कहना चाहती हूँ कि बबीता ने कुश्ती में या राजनीति जो भी मुक़ाम हासिल किया है वह अपनी मेहनत और ईमानदारी के बलबूते पर किया है, जहां पर कोई किसी तरह का पद मायने नहीं रखता...और रही बात अध्यक्ष बनने की तो सब जानते है अध्यक्ष बनने का लालच किसके अंदर था।

वहीं साक्षी मलिक की किताब विटनेस में दावा किया गया था कि बबीता फोगाट कुश्ती फेडरेशन की चेयरमैन बनना चाहती थी और उन्होंने ही पहलवानों को प्रदर्शन की इजाजत दिलवाई थी।

अखिल भारतीय सेवा संघ के सदस्यों ने रणवीर गंगवा को मंत्री पद मिलने पर दी बधाई

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) :

बरवाला से विधायक रणबीर गंगवा के मंत्री के रूप में पहली बार बरवाला व हिसार पहुंचने पर अखिल भारतीय सेवा संघ की बरवाला व हिसार टीम की तरफ से शुभकामनाएं दी व उनका स्वागत किय्या । बरवाला के किसान रेस्ट हाउस में प्रांतीय महासचिव विनोद धवन बरवाला के नेतृत्व में बरवाला शाखा के अध्यक्ष पवन मलिक,सचिव हरीश सरदाना,कोषड्यक्ष सुदर्शन खुराना,मदन असीजा,महेश मक्कड,दिनेश,बंटी ,केवल कृष्ण कथूरिया आदि उपस्थित रहे वन्ही हिसार के विश्राम गृह में हिसार टीम की तरफ से प्रांतीय संयोजक राजेन्द्र सपड़ा,अध्यक्ष सुमित मित्तल,सचिव संजीव भाटिया,विनोद वर्मा व नरेंद्र ढुल आदि ने शुभकामनाएं दी । प्रांतीय महा सचिव विनोद धवन ने कहा कि ये हमारे बरवाला शहर के लिए व पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है तथा इससे विकास को गति मिलेगी । मंत्री रणबीर गंगवा ने भी टीम बरवाला के सभी सदस्यों का साथ देने के लिये आभार व्यक्त किया ।।

गुरुकुल आर्यनगर का 60वां वार्षिक महोत्सव हवन-यज्ञ के साथ विधिवित रूप से शुरू, 27 अक्टूबर तक चलेगा

गुरुकुल आर्यनगर का 60वां वार्षिक महोत्सव शुरू, साधु, संन्यासी, वैदिक विद्वान व आर्य भजनोपदेशक पहुंचे

संस्कार उजाला

हरियाणा/ हिसार (गरिमा):

गुरुकुल आर्यनगर के 60वें वार्षिक महोत्सव की शुरूआत हवन-यज्ञ के साथ विधिवित रूप से की गई। 27 अक्टूबर तक चलने वाले इस महोत्सव में साधु, संन्यासी, वैदिक विद्वान व आर्य भजनोपदेशक सहित काफी संख्या में देशभर से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शिरकत कर रहे हैं। गुरुकुल के महामंत्री एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि प्रातः हवन-यज्ञ के साथ शुरूआत करके प्रवचन दिए गए और सायंकाल भी यज्ञ व प्रवचन का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि 24 अक्टूबर को भी प्रातः व सायं हवन-यज्ञ व प्रवचन का सत्र रहेगा। 25 अक्टूबर को प्रातः हवन-यज्ञ, ध्वजारोहण व प्रातःकालीन सभा होगी और इसी भांति दोपहर व सायंकालीन सत्र का आयोजन किया जाएगा। गुरुकुल आर्यनगर के वार्षिक उत्सव में गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा मनोरम व्यायाम प्रदर्शन किया जाएगा और गुरुकुल के छात्रों के लिए संस्कृत व हिंदी में भाषण, गीत एवं श्लोकगान आदि के रोचक कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर को प्रातः प्रमुख समाजसेवी जगदीश जिंदल मुख्यातिथि होंगे। इस दौरान जगदीश प्रसाद गुरेरा अध्यक्षता करेंगे। आर्यनगर के सरपंच रतन सिंह टाक, मनोज टाक, कविता रानी, जीत सिंह डांगी व सुभाष खिचड़ एडवोकेट विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। दोपहर की सभा में रणजीत सिंह, भगत सिंह राजोरिया, प्रदीप नरवाल, बिमल कुमार बिश्नोई व अजीत सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। 26 अक्टूबर को प्रातः पी डब्ल्यूडी बी एंड आर, अभियांत्रिकी व जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा मुख्यातिथि होंगे और पूर्व सांसद व गुरुकुल आर्यनगर के प्रधान स्वामी सुमेधानंद सरस्वती अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान मेवात के उपायुक्त धीरेंद्र खडगता, उद्योगपति पालाराम, कर्मचंद बबलू, कृष्ण मनेठिया, रविंद्र कुमार, सतबीर वर्मा पूर्व चेयरमेन, जगनिवास एच, राजेश कुमार, अमित कुमार, डॉ. सुभाष चंद्र, मोहित महराणा, सुरेश कुमार, रोहतास बिरथल, चंद्राराम गुरी अलंकार, नागरमल गुरी, लखमीचंद व सुभाष चंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। 26 अक्टूबर के दोपहर के सत्र में आदमपुर के विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश मुख्यातिथि होंगे और स्वामी सुमेधानंद सरस्वती व राजवीर फरटिया अध्यक्षता करेंगे। जितेंद्र मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। 27 अक्टूबर को प्रातः नलवा के विधायक रणधीर सिंह पनिहार मुख्यातिथि रहेंगे और गावड़ कंस्ट्रक्शन कंपनी के स्वामी राजेंद्र गावडिया का पावन सान्निध्य रहेगा। इस दौरान पूर्व सांसद व गुरुकुल आर्यनगर के प्रधान स्वामी सुमेधानंद सरस्वती अध्यक्षता करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव आर के रंगा व सेवानिवृत्त आईएएस आर एस वर्मा उपस्थित रहेंगे। लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि इस अवसर पर गुरुकुल के नए विद्यालय परिसर का उदघाटन भी किया जाएगा। इसके निर्माण में प्रमुख समाजसेवी राजेंद्र गावडिया ने सहयोग देकर विशेष भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान स्वामी आदित्यवेश, कल्याणी आर्या, उदयवीर आर्य, आचार्य प्रमोद योगार्थी, कर्मवीर शास्त्री, आचार्य सूर्यदेव वेदांशु सहित केंद्रीय व प्रांतीय राजनेता व शिक्षाविद शोभा बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव में पूर्व सांसद व गुरुकुल के प्रधान स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, कार्यकारी प्रधान रामकुमार आर्य, न्यास प्रधान सेठ रामरिछपाल आर्य, संरक्षक सेठ जगदीश प्रसाद आर्य, राजकुमार आर्य, राजेंद्र गावडिया, चंद्राराम गुरी, उपप्रधान सुभाष एडवोकेट, प्रबंधक कर्नल ओमप्रकाश एडवोकेट, उपमंत्री रामफल वर्मा, मुख्याधिष्ठाता इंद्रद्रेव शास्त्री, मानद कुलपति आचार्य पं. रामस्वरूप शास्त्री, मानसिंह पाठक, ब्र. दीपकुमार आर्य, सुमन बत्रा, अभय बत्रा, डॉ संजय शर्मा, देव दत्त शास्त्री, निहाल सिंह डांगी, प्राचार्य सुरेश कुमार शास्त्री व अधिष्ठाता रमेश कुमार शास्त्री सहित समस्त शिक्षक व ब्रह्मचारीगण उपस्थित रहेंगे।

राम नगरी अयोध्या में संदीप त्यागी रसम ने माधवी लता से मांगा गाजियाबाद नाम परिवर्तन कर गजप्रस्थ के लिए समर्थन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) भगवान श्री राम के जन्मस्थली अयोध्या में पौराणिक नगर भाग्यनगर वर्तमान हैदराबाद से पधारी भाजपा नेता माधवी लता को श्रीमद्भागवत गीता भेंटकर स्वागत किया माधवी लता शाश्वत हिंदू के आयोजन संवाद से सहमति में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई शाश्वत हिंदू संगठन अपने ध्येय वाक्य दो घंटे मंदिर के नाम को आधार बनाकर हिंदू मंदिर को बहुआयामी गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए सम्पूर्ण भारत में राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा के नेतृत्व में सक्रिय है इस आयोजन में पूरे देश से बडी संख्या में मंदिर मित्र ने भाग लिया जिनमें मुख्य रूप से मेजर रमेश उपाध्याय सरोज कुमार महापात्र उदयवीर मुन्ना पाठक थे कार्यक्रम मे संगठन का एप लांच किया गया इस अवसर पर संदीप त्यागी रसम ने अपने साथियों सहित माधवी लता से गाजियाबाद नाम परिवर्तन हेतु सहयोग और समर्थन करने का निवेदन किया अत्याचारियों को सम्मानित करती मानसिकता भारत छोडो अभियान के अंतर्गत गाजियाबाद का प्राचीन नाम गजप्रस्थ वापस कराने का अभियान एडवोकेट संदीप त्यागी

रसम के नेतृत्व मे चल रहा है भगवान श्रीराम के सरयू जल समाधि स्थल - गोप्रतार घाट का नाम प्रशासन गुप्तारघाट न लिखकर गोप्रतार घाट ही लिखे संदीप त्यागी रसम ने ऐसा निवेदन किया संदीप त्यागी रसम ने कहा कि गोप्रतार घाट लिखने का शीघ्र निर्णय किया जाए अन्यथा रसम के सहयोगी साथी आंदोलन करने को विवश होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी इस अवसर पर संदीप त्यागी रसम ने कहा कि किसी भी स्तर पर किसी भी तरीके से किसी अत्याचारी को महिमा मंडित करना कुछ लोगों को अत्याचार करने के लिए प्रेरित करता है अत्याचारी होने में गर्व की अनुभूति दे सकता है इसलिए अत्याचारियों की महिमा मंडन की हर निशानी को तुरंत हटाना मिटाना चाहिए इस अभियान के तहत वर्तमान समय में अत्याचारियों के नाम पर बसे नगरों के पुराने नाम वापस लौटाए जाने का निवेदन किया जा रहा है उदाहरण के लिए गाजियाबाद हैदराबाद अहमदाबाद जैसे शहरो के पुराने नाम गजप्रस्थ भाग्यनगर व कर्णावती नाम वापस करने के निवेदन विभिन्न माध्यम से सरकार के समक्ष अनवरत प्रेषित किए जा रहे हैं भारत का जनमत इस विषय पर अभियान के साथ है यह इस बात से स्वयं सिद्ध हो जाता है कि नगर निगम गाजियाबाद बोर्ड बैठक दिनांक 9 जनवरी 2024 को गाजियाबाद नाम परिवर्तन संबंधित प्रस्ताव पारित कर चुका है यूपी में इसी तरह अन्य कई स्थान पर नाम परिवर्तन विषय के प्रस्ताव पारित किए गए हैं संदीप त्यागी रसम के साथ मेजर रमेश उपाध्याय रवि कटारिया जया मित्तल पंकज अल्का निम मुकेश मित्तल पंकज गोयल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

केशव ने कहा तू मर जा तो मैं आज पैसे छोड़ दूंगा ब्याज के पैसे को लेकर विवाद

अत्यंत दुःख के साथ जन सूचना/पत्र

संस्कार उजाला

दादों क्षेत्र के कस्बा सांकरा में राकेश गोस्वामी जोकि प्रिंटिंग प्रेस की दुकान चलाते हैं गरीब मजदूर व्यक्ति हैं शादी विवाह के कार्ड छाप कर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे हैं पन्द्रह वर्ष पहले केशव गुप्ता के साथ साझे में एक टेंट की दुकान की थी दुकान में कुछ घटा भी पड़ गया था जिसको लेकर आरके ने साढ़े तीन लाख रुपए अब तक दे दिए लेकिन फिर भी ब्याज के ऊपर ब्याज लागत जा रहे केशव गुप्ता ने आरके की दुकान पर आकर धावा बोल दिया और बदतमीजी की सारी हदें पार कर दी आर कैसे कहा तू मर जा तो पैसे माफ कर दूंगा नहीं तो आज ही मुझे पैसे चाहिए इस बात को लेकर आर का परिवार भयभीत है परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है उक्त केशव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है आर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा अगर मैं जिंदा रहा तो कर्जा दे दूंगा नहीं तो अगर मुझे कुछ हो गया तो उसका जिम्मेदार केशव गुप्ता होगा इस बात को लेकर विवाद बहुत बढ़ गया पीड़ित परिवार कल मंत्री से मुलाकात करेगा पीड़ित परिवार ने कहा अपने परिवार बच्चों के साथ कल मंत्री से मिलेंगे कर्ज से आहत होकर पीड़ित अपनी जान गवा देने को तैयार है लेकिन कुछ संभ्रांत लोगों के समझाने पर पीड़ित परिवार को थोड़ी शांति मिली लेकिन केशव गुप्ता की बातों को लेकर आर डिप्रेशन में है ब्याज के ऊपर लगातार ब्याज अब तक भरते आ रहे हैं लेकिन अब आर के पास संपत्ति भी नहीं जिसको बेचकर वह ब्याज का पैसा चुका सकें

बीटेक छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म में युवक दोषी

गाजियाबाद। मोदीनगर क्षेत्र में बीटेक छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी युवक आदित्य तोमर उर्फ विशु तोमर को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार ने दोषी करार दिया है। सजा के प्रश्न पर बुधवार को सुनवाई होगी। अदालत ने सीमा, नीतू, संजू उर्फ बिट्टू तोमर को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि मोदीनगर निवासी एक व्यक्ति ने मोदीनगर थाने में 10 सितंबर 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में व्यक्ति ने बताया था कि उनकी बेटी बीटेक की पढ़ाई कर रही थी। मोदीनगर में ही रहने वाला युवक आदित्य तोमर उर्फ विशु 10 सितंबर 2021 को बहला फुसला कर अपने साथ ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मोदीनगर के सीकरी स्थित पेट्रोल पंप के पास से एक फरवरी 2022 को आदित्य तोमर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बीटेक छात्रा को बरामद कर लिया था। पुलिस पूछताछ के दौरान बीटेक छात्र ने अपहरण करने के मामले में आदित्य तोमर उर्फ विशु, सीमा, नीतू संजू उर्फ बिट्टू तोमर के नाम बताए थे। पुलिस ने सभी आरोपियों गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अन्य केसों में आरोपी आदित्य तोमर को प्रशासन की रिपोर्ट पर डासना जेल से बहराइच जेल में ट्रांसफर कर दिया गया था। मामले की सुनवाई के लिए आदित्य तोमर को बहराइच जेल से गाजियाबाद लाया गया। मामले की अंतिम सुनवाई मंगलवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार की अदालत में हुई। दोनों पक्षों की ओर से 10 गवाह पेश किए गए। कोर्ट ने पेश सबूत और गवाहों के बयान के आधार पर आदित्य तोमर को दोषी करार दिया है।

गाजियाबाद उपचुनाव के लिए बसपा ने उतारा है चुनावी मैदान में

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) विधानसभा-56 शहर गाजियाबाद के उपचुनाव के लिए बसपा की ओर से चुनावी मैदान में उतरे परमानन्द गर्ग गुरुवार 24 अक्टूबर को पर्चा दाखिल करेंगे। इस मौके पर बसपा के दिग्गज नेता शमसुद्दीन राइन भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। बसपा ने इस उपचुनाव में सबसे पहले अपने पत्ते खोलकर सभी दलों को पीछे छोड़ दिया है।

वैश्य वर्ग से ताल्लुक रखने वाले परमानन्द गर्ग मजबूत दावेदार के रूप में देखे जा रहे हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए बसपा प्रत्याशी ने बताया कि सुबह साढ़े 9 बजे वह चुनाव कार्यालय से रवाना होंगे। पर्चा दाखिल करने जाते समय सभी कार्यकर्ता न्यू आर्य नगर फव्वारा चौक पर एकत्रित होंगे। जिसके बाद पी.एन. गर्ग नवयुग मार्किट स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पर्चा भरने कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। बसपा के मेरठ, सहारनपुर, लखनऊ व प्रयागराज प्रभारी शमसुद्दीन राइन मुख्यातिथि के रूप में अपने प्रत्याशी के साथ मौजूद रहेंगे।

गाजियाबाद में जमकर गरजा GDA का बुलडोजर,

साहिबाबाद। हरनंदी डूब क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग कर काटी जा रही पांच कॉलोनियों में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की टीम ने मंगलवार को बुलडोजर चलाया। कॉलोनी की चारदीवारी, सड़क आदि को ध्वस्त कर दिया। अवैध रूप से प्लॉटिंग करने वालों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

26 अक्टूबर 2024 का किया जायेगा मां भगवती का विशाल जागरण एवं भण्डारा: श्री ललित कुमार

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। महामाई जन कल्याण सेवा समिति मोरटी, गाजियाबाद द्वारा 9 वां, भव्य जागरण एवं विशाल भंडारा करने का संकल्प लिया गया। समिति के पदाधिकारी द्वारा कॉलोनीवासियों के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष कराया जाता है जागरण एवं भंडारा, समिति द्वारा 9वां जागरण एवं भंडारा कराया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष श्री राहुल त्यागी, सचिव श्री ललित कुमार दीक्षित, कोषाध्यक्ष उपेंद्र मिश्रा, उपकोषाध्यक्ष श्री अनंत देव, सांस्कृतिक महामंत्री श्री प्रेम सागर यादव, मीडिया प्रभारी श्री राजू ठाकुर, संस्था संरक्षक श्री सुखवीर पाल, महामंत्री श्री अखिलेश तिवारी इत्यादि ने मिलकर जागरण को और भव्य बनाने का संकल्प लिया।दिनांक 26 अक्टूबर 2024 को शाम 4:00 बजे हवन का आयोजन तथा शाम 6:00 बजे से मां भगवती के प्रसाद भंडारे का शुभारंभ किया जाएगा। रात्रि 9:00 से मां भगवती की प्रचंड ज्योति का आगमन एवं मां भगवती का गुणगान प्रारंभ होगा। मां भगवती का गुणगान शुक्ला जागरण पार्टी जागरण मंडल गाजियाबाद द्वारा किया जाएगा। जागरण में विशेष आकर्षक झांकियां, मधुर भजन से जागरण को और अधिक मनमोहन बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा

है। जागरण के प्रमुख कार्यकर्ता, जागरण में सभी व्यवस्थाओं की देखरेख एवं प्रसाद वितरण आदि की समस्त भूमिकाएं निभाते हुए सभी को जागरण हेतु आमंत्रित कर रहे हैं। जागरण के प्रमुख कार्यकर्ता एवं सहयोगी श्री अनंत देव, श्री उपेंद्र मिश्रा, श्री राहुल त्यागी, श्री प्रेम सागर यादव, श्री प्रदीप यादव, श्री अखिलेश तिवारी, श्री सुखवीर सिंह पाल मास्टर जी, श्री विनोद, श्री नीरज त्यागी, श्री सत्येंद्र त्यागी, श्री अरुण त्यागी, श्री राम जयसवाल, श्री मूलचंद शर्मा, श्री विनोद तिवारी, श्री जितेंद्र शर्मा, श्री प्रिंस त्यागी, श्री सुशील कुमार, श्री सतीश शर्मा, श्री रंजीत ठेकेदार, श्री ओमपाल ठेकेदार, श्री सुनील त्यागी, संजू शटरिंग, फौजी प्रॉपर्टीज, अनमोल साड़ी, श्री विनोद रोहिल्ला, श्री विनोद चौधरी, श्री अनिल त्यागी, हिमांशु इलेक्ट्रिकल, श्री अर्जुन सिंह फौजी, शिव मेडिकल स्टोर, प्रधान हार्डवेयर, साध्वी ज्वेलर्स, हिमांशु प्लाईवुड, श्री सोहन सिंह, श्री ओमपाल सैनी, श्री कपिल दिक्षित, श्री अनुज दिक्षित , श्री अर्जुन त्यागी, श्री अमित दीक्षित पुनीत दिक्षित, पाल इलेक्ट्रिकल, महामाई शटरिंग, श्री बागेश्वर बालाजी प्रॉपर्टीज, यादव फैब्रिकेटर एवं ग्राम प्रधान श्री कांति जी के साथ-साथ समस्त कॉलोनीवासी , एवं महामाई जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष महामंत्री, संस्कृत महामंत्री आदि का विशेष सहयोगी हैं।श्री ललित कुमार दीक्षित सचिव, महामाई जन कल्याण सेवा समिति

बिजली चोरी के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन, 35 कनेक्शन काटे गए

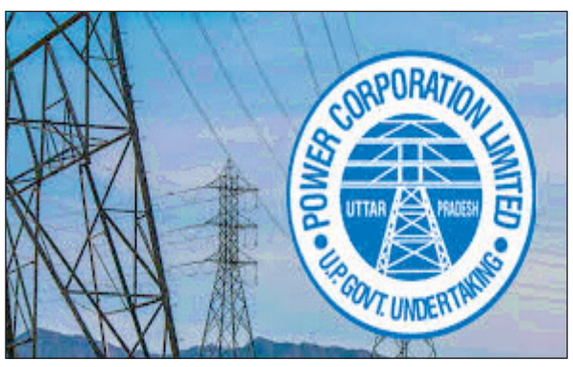

साहिबाबाद। कड़कड़ मॉडल में विद्युत निगम ने मंगलवार को बकायेदारों से वसूली के लिए छापेमारी की। इस दौरान 35 बकायेदारों के घरेलू व व्यवसायिक कनेक्शन काटे। इस दौरान 55 बकायेदारों से 15 लाख रुपये बकाया भी वसूला। अधीक्षण अभियंता अखिलेश सिंह ने बताया कि अधिशासी अभियंता सुजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में विजिलेंस टीम के साथ अभियान चलाया। इस दौरान बकायेदारों से बकाया जमा करने के लिए कहा गया। बकाया जमा नहीं करने पर उनके कनेक्शन काटे गए।

यति के करीबी अनिल की हिस्ट्रीशीट खुली, दर्ज हैं पांच मुकदमे

गाजियाबाद। पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी जूना अखाड़े के महंत यति नरसिंहानंद के करीबी अनिल यादव उर्फ छोटे नरसिंहानंद पर पुलिस ने कार्रवाई का शिकंजा कस दिया है। शांति भंग की आशंका में जेल में बंद बम्हेटा निवासी अनिल की मंगलवार को हिस्ट्रीशीट खोल दी गई। उसके खिलाफ पांच केस दर्ज हैं। इनमें लूट और बवाल के मामले शामिल हैं। अनिल यादव को पुलिस ने 11 अक्तूबर की रात को गिरफ्तार किया था। यति के बाद उसके खिलाफ भी आपत्तिजनक बयान देने का केस दर्ज हुआ था। इसमें उसने 11 को ही कोर्ट में सरेंडर किया था। इस केस में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने शांति भंग की धारा में कार्रवाई की थी। तब से वह जेल में बंद है। डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने

बताया कि मुकदमों के आधार पर हिस्ट्रीशीट खोली गई है। यति नरसिंहानंद पर केस दर्ज होने के बाद चार अक्तूबर की रात डासना के देवी मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने वाले तीन लोगों के नाम से अब तक पर्दा नहीं उठ सका है। पुलिस की जांच में यह पहले ही साफ हो गया था कि हमले के पीछ उन तीन लोगों की साजिश थी, जो डासना में चार अक्तूबर को ही बुलाई गई शांति समिति की बैठक में शामिल थे। इन तीनों के इशारे पर ही 100-150 लोग मंदिर पर हमला करने के लिए गए थे। उन्हें पुलिस ने खदेड़ दिया था। इस पर उन लोगों ने पथराव किया था। पथराव के मुकदमे में पुलिस 34 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। यति पर कार्रवाई के लिए हंगामा-प्रदर्शन करने वाले लोग भी पकड़े गए हैं। अब तक कुल 49 गिरफ्तारी हुई हैं। चार अक्तूबर के बाद से ही यति नरसिंहानंद का कुछ पता नहीं है। हालांकि, उनके नाम से चल रहे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बयान आ रहे हैं। एक पोस्ट में उनके नजरबंद होने की बात कही गई लेकिन पुलिस अधिकारी इससे इन्कार कर रहे हैं। यति के शिष्य भी यही कह रहे हैं कि उनका कुछ पता नहीं। इस बीच मुजफ्फरनगर के एक मामले में यति के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो चुके हैं। ये लोग पुलिस अधिकारियों से मिलकर भी यति के बारे में सवाल कर चुके हैं।

बेदखल सूचना

मैं मदन लाल पुत्र भूपाल निवासी ग्राम अजीतपुर थाना सिविल लाइन्स जिला रामपुर का हूं। और बयान करता हुं कि प्रेम पुत्र मदन लाल गलत संगतों में पड़ गया है तथा उसका चाल चलन व अन्यत्र महिला निधि के साथ गलत संबंधों के चलते अपने पुत्र प्रेम को अपनी समस्त संपत्ति व सम्बन्ध से बेदखल करता हूं भविष्य में मेरा या मेरे परिवार से प्रेम का कोई लेना देना नही है। तथा भविष्य में प्रेम कोई भी आपराधिक कार्य करता है और कोई भी गलत हरकत करता है तो उसका स्वयं प्रेम जिम्मेदार होगा। मेरी या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। मदन लाल पुत्र भूपाल निवासी ग्राम अजीतपुर थाना सिविल लाइन जिला रामपुर यूपी 244901

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011